



निशाने पर सोना

नया एशियन रिकॉर्ड

कमलजीत-सुरुचि की 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम में स्वर्णिम बाजी

आइची-नागोया, एजेंसी। एशियन गेम्स 2026 में 25 सितंबर की सुबह भारत के लिए स्वर्णिम रही। शूटिंग के 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में कमलजीत और सुरुचि की भारतीया जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। यह खेलों में भारत का दूसरा स्वर्ण है। इससे पहले भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने स्वर्ण पदक जीता था। शूटिंग में यह भारत का पहला स्वर्ण पदक है।

भारतीय जोड़ी ने फाइनल में शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी। दबाव के बीच दोनों निशानेबाजों ने लगातार सटीक शॉट लगाए और 484.6 अंक के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। दक्षिण कोरिया की जोड़ी ने 478.0 अंक के साथ रजत, जबकि ईरान ने 415.7 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। इंडोनेशिया चौथे स्थान पर रहा।

क़ालिफ़िकेशन में भी बनाया रिकॉर्ड- कमलजीत और सुरुचि ने फाइनल से पहले क़ालिफ़िकेशन में भी अपना दबदबा कायम रखा था। भारतीय जोड़ी ने 597-29× का स्कोर बनाकर पहला स्थान हासिल किया और क़ालिफ़िकेशन में एशियन गेम्स रिकॉर्ड बनाया। फाइनल में 484.6 अंक का स्कोर भी नया एशियन रिकॉर्ड रहा।

स्वर्ण अलग, रिकॉर्ड अलग उपलब्धि- गातीया जोड़ी की उपलब्धि में दो अलग बातें दर्ज हुईं। स्वर्ण पदक जीतना प्रतियोगिता का परिणाम है, जबकि 484.6 अंक बनाना फाइनल का एशियन रिकॉर्ड है। इससे पहले फाइनल का एशियन रिकॉर्ड उज्बेकिस्तान के नाम था, जिसने टकरावटी में 481.3 अंक बनाए थे। भारतीय जोड़ी ने इसे पीछे छोड़ दिया।



अनंत चतुर्दशी के अवसर पर 26 सितंबर, 2026 को 'यशभारत' रायपुर कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः हमारा अगला अंक 28 सितंबर, 2026 को प्रकाशित होगा।

—संपादक

महदेव बेंटिंग ऐप केस में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई, दुर्गई से लौटते ही किंगपिन अभिषेक कुमार गिरफ्तार

हैदराबाद, एजेंसी। महदेव ऑनलाइन बेंटिंग ऐप मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रमुख आरोपी और कथित किंगपिन अभिषेक कुमार को गिराफ्तार किया है। दुर्गई से भारत लौटते ही उसे हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पकड़ा गया। गिरफ्तारी के बाद उसे स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहां से सीबीआई को तीन दिन की ट्रान्जिट रिमांड मिली। इसके बाद रायपुर की अदालत ने अभिषेक को दो दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया। जांच एजेंसी के मुताबिक, अभिषेक कुमार महदेव बुक के जरिए ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए का नेटवर्क संचालित करने में सक्रिय भूमिका निभा रहा था। वह अलग-अलग पैमाने के बीच समन्वय करने और सट्टेबाजी से जुटाई गई रकम के संचार में भी शामिल था। एजेंसी का दावा है कि सट्टेबाजी से अर्जित धन से अभिषेक ने दुर्गई में अवल संपत्तियां खरीदी थीं। गिरफ्तारी के बाद की गई तलाशी में सीबीआई ने कई महत्वपूर्ण सामान और दस्तावेज जब्त किए हैं। एजेंसी के अनुसार, जहां सामग्री से प्रथम दृष्टया मामले में उसकी भूमिका के संकेत मिले हैं।

ट्रंप-जिनपिंग की गर्मजोशी, क्या सच में पिछलेगें मतभेद?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच व्यापार, तकनीक और राजनीतिक मुद्दों पर लंबे समय से जारी तनाव के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की व्हाइट हाउस में मुलाकात के दौरान रिश्तों में गर्मजोशी दिखाई दी।



राजकीय रतिगोचर से पहले दोनों नेताओं ने अमेरिका-चीन संबंधों को आगे बढ़ाने और दोनों देशों के लोगों के बीच संबंध मजबूत करने पर जोर दिया। हालांकि, इस सार्वजनिक गर्मजोशी के बावजूद दोनों देशों के बीच पुराने मतभेदों को कम करना अभी बड़ी चुनौती बनी हुई है। ट्रंप ने शी जिनपिंग और उनकी पत्नी पिंग लियुआन का व्हाइट हाउस में स्वागत किया।

शुभांक 9-3-8

रायपुर, जबलपुर, कटनी, भोपाल, मंडला, इंदौर, मुंबई, दिल्ली, नरसिंहपुर, सितनी से एक साथ प्रकाशित



देशभर में आज गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन

नई दिल्ली/मुंबई/हैदराबाद।

गणेश उत्सव के अंतिम दिन अनंत चतुर्दशी पर शुक्रवार को देशभर में गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला शुरू हो गया। मुंबई, हैदराबाद, दिल्ली, कानपुर समेत विभिन्न शहरों में विसर्जन और जुलूसों को लेकर व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन ने भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण और जल स्रोतों पर सुरक्षा के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया है। आज भी देश के अन्य शहरों में भी श्रद्धालु बोल-नागाड़ों और जयकारों के साथ गणेश प्रतिमाओं को विसर्जन स्थलों तक ले जा रहे हैं।

मुंबई में विसर्जन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था संभालने के लिए 25 हजार से अधिक पुलिसकर्मों तैनात किए गए ।शहर में प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए 383 कृत्रिम कुंड तैयार किए गए हैं। समुद्र तटों और प्रमुख विसर्जन स्थलों पर भी



अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है। पुलिस के साथ अन्य सुरक्षा और आपदा प्रबंधन दल भी सक्रिय रहेंगे। हैदराबाद में गणेश विसर्जन के दौरान 25 से 30 हजार पुलिसकर्मों सुरक्षा और यातायात

व्यवस्था संभाली। शहर में निगरानी के लिए 24 ड्रोन और करीब 10 हजार सीसीटीवी कैमरों का इस्तेमाल किया जा रहा है। हुसैन सागर झील के आसपास 100 अतिरिक्त कैमरे लगाए गए हैं। झील

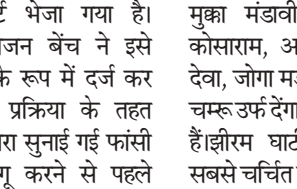
के किनारे क्रेन, आपातकालीन नौकाएं, गोताखोर और मेडिकल पोस्ट भी तैनात किए गए हैं। गणेश जुलूसों को देखते हुए कई मार्गों पर यातायात डायवर्जन और प्रतिबंध लागू रहेंगे।

प्रेमिका को दी भयानक मौत काट दिया का गला

कासगंज, यशभारत। कासगंज में 18 वर्षीय नेहा की हत्या के मामले में पुलिस ने उसके प्रेमी समीर समेत तीन अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, नेहा के घर में रखे रुपये और जेवर पर नजर पड़ने के बाद समीर ने साथियों के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। वारदात को अंजाम देने के लिए नेहा को आधी रात मिलने के बहाने सुनसान इलाके में बुलाया गया और वहां उसका गला रेत दिया गया। आरोपियों ने शव को ठिकाने लगाने की कोशिश भी की, लेकिन अचानक वाहन की रोशनी पड़ने पर घबराकर मौके से भाग गए। पुलिस के अनुसार, समीर मूल रूप से जामा मस्जिद के पास का रहने वाला है और बाइक चोरी के मामले में पहले जेल जा चुका है। पुलिस से बचने के लिए वह अशोक नगर में किराये के मकान में रह रहा था। करीब तीन महीने पहले उसकी मुलाकात पड़ोस में रहने वाली नेहा से हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत और नजदीकियां बढ़ीं। इसी दौरान समीर को नेहा के घर में नकदी और जेवर होने की जानकारी मिली। पुलिस का कहना है कि लालच में आकर समीर ने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई। आरोपियों ने वारदात के लिए आबादी से दूर पुरानी रेलवे लाइन के पास फतेह सिंह के खेत की सूनी जगह चुनी। इसके लिए करीब दो दिात तक इलाके की रेकी की गई।

झीरम घाटी केस: 10 दोषियों की फांसी पर अब हाईकोर्ट में सुनवाई

बिलासपुर, यशभारत। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित झीरम घाटी नक्सली हमले के मामले में 10 दोषियों को सुनाई गई फांसी की सजा अब हाईकोर्ट की कोई कानूनी बदलाव किया जाए। जगदलपुर की एनआईए विशेष अदालत द्वारा सुनाई गई मौत की सजा की पुष्टि के लिए मामला



बिलासपुर हाईकोर्ट भेजा गया है। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने इसे क्रिमिनल रेफरेंस के रूप में दर्ज कर लिया है। कानूनी प्रक्रिया के तहत निचली अदालत द्वारा सुनाई गई फांसी की सजा को लागू करने से पहले हाईकोर्ट की पुष्टि जरूरी होती है। इसी प्रक्रिया के तहत अब हाईकोर्ट में मामले के फैसले की समीक्षा करेगी। जगदलपुर स्थित एनआईए की विशेष अदालत ने झीरम घाटी हमले के मामले में 10

मुक्का मंडवी, कोसा कवासी उर्फ कोसाराम, आथता मरकाम, मडकामी देवा, जोगा मडकामी, बंजामी सत्रा उर्फ चम्बरु उर्फ दंगा और महदेव नाग शामिल हैं।झीरम घाटी हमला छत्तीसगढ़ के सबसे चर्चित नक्सली हमलों में शामिल रहा है। मामले में लंबे समय से चली आ रही कानूनी कार्रवाई के बाद विशेष अदालत ने इन आरोपियों को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई। अब हाईकोर्ट में क्रिमिनल रेफरेंस दर्ज होने के बाद इस मामले की न्यायिक प्रक्रिया अगले चरण में पहुंच गई है।

शादी से मना किया तो इंस्टाग्राम फ्रेंड ने चाकू मारकर किया लहूलुहान कान पकड़कर पुलिस से माफी मांगते नजर आया सूरज

सतना, यशभारत। मध्य प्रदेश के सतना में सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के धवारी तिराहे के पास गुरुवार सुबह एक महिला पर चाकू से हमला करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान सूरज जाटव के रूप में हुई है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल की गई एक्टिवा भी जब्त कर ली है।



के अनुसार, महिला गुरुवार सुबह करीब 10 बजे धवारी तिराहे के पास पैदल जा रही थी। इसी दौरान आरोपी सूरज जाटव एक्टिवा से वहां पहुंचा। आरोप है कि उसने पीछे से महिला की कमर के ऊपर चाकू से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से महिला घायल होकर गिर पड़ी, जबकि आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना के बाद घायल महिला को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना मिलने पर सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू

की। आरोपी की तलाश के लिए पुलिस टीमों को लगाया गया। आरोपी से एक्टिवा से सागर से सतना तक पहुंचा था।

सीसीटीवी फूटेज से मिला सुराग

पुलिस ने आरोपी तक पहुंचने के लिए धवारी तिराहे और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फूटेज खंगाली। फूटेज में वारदात से पहले और बाद की गतिविधियों के आधार पर पुलिस को आरोपी के संबंध में महत्वपूर्ण सुराग मिले। इसके बाद पुलिस ने तलाश करते हुए सूरज जाटव को पकड़ लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल एक्टिवा भी जब्त की है।

एनालॉग उत्पादों को ‘पनीर’ बताकर बचने पर लगेगी रोक

दूध से नहीं बने उत्पादों के नामकरण और लेबलिंग पर एफएसएसएआई का प्रस्ताव

नई दिल्ली, यशभारत। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने एनालॉग उत्पादों के भ्रामक विपणन पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्राधिकरण ने खाद्य सुरक्षा और मानक (बिक्री पर निषेध और प्रतिबंध) संशोधन विनियम, 2026 में मौजूदा विनियम 2.1.1 के तहत एक नया प्रावधान शामिल करने का प्रस्ताव है। इसमें विशेष रूप से ऐसे उत्पादों को शामिल किया गया है, जो दूध से प्राप्त घटकों से निर्मित नहीं हैं, लेकिन उन्हें पनीर के समान उत्पाद के रूप में बाजार में प्रस्तुत किया जाता है। एफएसएसएआई के प्रस्ताव के अनुसार, “डेयरी संदर्भ में एनालॉग” श्रेणी के तहत पहले से लाइसेंस प्राप्त या पंजीकृत उत्पादों को अपने नामकरण, लेबलिंग और विपणन में ‘पनीर’ शब्द का इस्तेमाल बंद करना होगा। इसका उद्देश्य वास्तविक डेयरी उत्पाद और उसके समान दिखने वाले गैर-डेयरी उत्पादों के बीच स्पष्ट अंतर सुनिश्चित करना है। प्राधिकरण का कहना है कि खाद्य उत्पाद का नाम और उसका प्रस्तुतीकरण उसकी वास्तविक प्रकृति और संघटन को सही ढंग से दर्शाना चाहिए।

सिविकम में लैंडस्लाइड से तबाही

गांव की ओर बहा पहाड़ का मलबा, कई घर क्षतिग्रस्त

गंगोटक, एजेंसी। सिक्किम में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच पश्चिम सिक्किम के रिम्बी गांव में गुरुवार देर रात भूस्खलन से भारी नुकसान हुआ। युक्सोम-ताशीांडिंग क्षेत्र में पहाड़ी का बड़ा हिस्सा खिसकने के बाद चट्टानें, मिट्टी और मलबा तेजी से गांव की ओर बहा। इसकी चपेट में आने से कई घर क्षतिग्रस्त हो गए। घटना का वीडियो



भी सामने आया है, जिसमें पहाड़ी से मलबे का तेज बहाव नीचे गांव की ओर आता दिखाई दे रहा है। हालांकि, अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। भूस्खलन के बाद इलाके में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। लगातार बारिश के कारण आसपास के अन्य घरों और सड़कों पर भी खतरा बना हुआ है। प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने और जोखिम वाले क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है। स्थानीय स्तर पर नुकसान का आकलन और प्रभावित इलाकों में स्थिति की निगरानी की जा रही है।

पहले भी बह चुका है सड़क का हिस्सा

रिम्बी क्षेत्र में मानसून के दौरान भूस्खलन की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। इससे पहले रिम्बी को खेचोपालरी से जोड़ने वाली सड़क का एक बड़ा हिस्सा मलबे और बारिश के कारण बह गया था। इसके बाद राज्य सरकार ने मानसून से प्रभावित सड़कों और पुलों का राज्यव्यापी निरीक्षण शुरू किया था। अधिकारियों को क्षतिग्रस्त हिस्सों का आकलन कर यातायात और संपर्क व्यवस्था जल्द बहाल करने के निर्देश दिए गए थे। सड़क एवं पुल मंत्री एनबी दहाल ने युक्सोम-ताशीांडिंग क्षेत्र में रिम्बी और आसपास के क्षतिग्रस्त हिस्सों का निरीक्षण किया था। उन्होंने सुरक्षा जोखिमों को देखते हुए मरम्मत कार्य तेज करने के निर्देश दिए। एनएचआईडीसीएल के अधिकारियों और ठेकेदारों को भी प्रभावित सड़क हिस्सों की मरम्मत जल्द शुरू करने तथा यात्रियों की परेशानी कम करने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा गया था। ताजा भूस्खलन ने एक बार फिर पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार बारिश के दौरान सड़क संपर्क और आबादी की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। प्रशासन की प्राथमिकता प्रभावित परिवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ ही मलबा हटाकर संपर्क मार्गों को सुरक्षित करना है।

बस्तर में पांच दिन की बारिश से साल की सबसे बड़ी बाढ़, नारायणपाल गांव में डूबने का खतरा

बस्तर, यशभारत । बस्तर में लगातार पांच दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण इस साल की सबसे बड़ी बाढ़ की स्थिति बन गई है। ग्राम पंचायत आड़ावाल के आश्रित ग्राम नारायणपाल में बाढ़ का पानी तेजी से बढ़ रहा है। जलस्तर इसी गति से बढ़ता रहा तो शुक्रवार शाम तक पूरा गांव डूबने की आशंका है। इससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

नारायणपाल की सड़कें पूरी तरह पानी में डूब गई हैं और गांव का आवागमन बाधित हो गया है। खेत-खलिहान भी जलमग्न हो चुके हैं। जनहिा में जारी सूचना के अनुसार मेडिकल कॉलेज रोड भी बंद है। जगदलपुर के लालबाग क्षेत्र में भी भारी जलभराव के कारण सड़कें और कई घर पानी से प्रभावित हुए हैं।

इंद्रावती खतरे के निशान से सवा मीटर ऊपर

लगातार बारिश के कारण इंद्रावती नदी का जलस्तर खतरों के निशान से काफी ऊपर पहुंच गया है। जगदलपुर पुराने पुल पर खतरे का निशान 8.30 मीटर है, जबकि शुक्रवार सुबह 9.30 बजे नदी का जलस्तर 9.50 मीटर दर्ज किया गया। इससे आसपास के इलाकों में बाढ़ का खतरा और बढ़ गया है। ओडिशा में इंद्रावती नदी पर स्थित खातिगुड़ा बांध के तीन गेट खोल दिए गए हैं। वहीं, इंद्रावती की सहायक मोरान नदी के बांध का भी एक गेट शुक्रवार सुबह खोला गया। इसके चलते बस्तर में नदी का जलस्तर और बढ़ने की आशंका है।

छात्रावास में तीन जूनियर छात्रों से बर्बरता का आरोप, बेल्ट से पीटा, हाथों पर रखे अंगारे

मंडला, यशभारत। मंडला जिले के पाटा सिहोरा स्थित राजा शंकर शाह-रघुनाथ शाह शासकीय सीनियर एवं जूनियर बालक छात्रावास में जूनियर छात्रों के साथ कथित बर्बरता का मामला सामने आया है। आरोप है कि सीनियर छात्रावास के कुछ छात्रों ने चोरी के शक में जूनियर छात्रावास के तीन बच्चों को रात में सोते समय उठाया और उनके साथ मारपीट की। बच्चों के अनुसार, पहले उनसे पैसे चोरी करने के बारे में पूछताछ की गई और इसके बाद बेल्ट से पीटा गया। आरोप है कि प्रताड़ना यहीं नहीं रुकी और बच्चों के हाथों पर कथित तौर पर अंगारे रख दिए गए। इससे उनके हाथ झुलसने और छले पड़ने की बात सामने आई है।

बताया गया कि बच्चों से कहा गया कि जिसने चोरी नहीं की होगी, उसके हाथ नहीं जलेंगे। इसके बाद कथित तौर पर उनके हाथों पर अंगारे रखे गए। घटना के बाद बच्चों ने परिजनों को इसकी जानकारी दी। जानकारी मिलते ही परिजन छात्रावास पहुंचे और बच्चों के साथ हुई कथित घटना को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने छात्रावास में बच्चों की सुरक्षा, निगरानी और अधीक्षक की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए। मामले की जानकारी मिलने के बाद पिंडरई पुलिस और सहायक आयुक्त कार्यालय की ओर से जांच शुरू की गई है। घटना के सामने आने के बाद छात्रावास की निगरानी व्यवस्था भी सवालों के घेरे में है। खासतौर पर यह सवाल उठ रहा है कि रात में जूनियर छात्रों को छात्रावास से उठाकर उनके साथ कथित मारपीट और प्रताड़ना कैसे की गई और जिम्मेदार कर्मचारियों को इसकी जानकारी क्यों नहीं हुई। जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारी अरुण शुक्ला ने मामले को गंभीर बताते हुए त्वरित कार्रवाई की बात कही है। उन्होंने बताया कि वे भोपाल में बैठक के लिए गए थे और लौटने के बाद मामले की पूरी जानकारी ली जा रही है। उनका कहना है कि जांच में यदि कोई व्यक्ति दोषी पाया



जाता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि पिछले महीने उन्होंने छात्रावास का निरीक्षण किया था। उस समय सीनियर आदिवासी बालक छात्रावास के अधीक्षक मौजूद थे, जबकि जूनियर बालक छात्रावास के अधीक्षक अवकाश पर थे। अधिकारी ने कहा कि विभाग ने मामले का तत्काल संज्ञान लिया है। घटना गंभीर है, इसलिए जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर जिम्मेदारी तय की जाएगी। दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ विभागीय नियमों के अनुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस और विभागीय स्तर पर जांच जारी है। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि बच्चों के साथ वास्तव में क्या हुआ, घटना में कौन-कौन शामिल थे और छात्रावास प्रबंधन की इसमें क्या भूमिका रही।

इन्होंने कहा...

मैं बाहर भोपाल गया था जैसे ही मुझे घटना के सम्बन्ध पता चलने पर जांच के लिए कमेट्री गठित की है ।

अनिल उड्डेके, छात्रावास अधीक्षक

सिहोरा, जिला मंडला



ग्राम पेण्ड्री, ओडारबांध, बिसाहूटोला, भंडारपुर, सांकरा, महरुमखुर्द में में मोबाईल कैम्प एवं ई-केवायसी शिविर का हुआ आयोजन

- 50 श्रमिकों का नये श्रमिक पंजीयन के लिए किया गया आवेदन
 - श्रमिकों को दी गई श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी
- यश भारत

राजनंदागांव। श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों की समस्याओं के समाधान के लिए एसओपी अंतर्गत जिले के नगरीय निकायों के वार्डों एवं ग्राम पंचायतों में मोबाईल कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। मोबाईल कैम्प के माध्यम से श्रमिकों के कल्याण के लिए चलाए जा रहे शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जा रही है तथा पात्र आवेदक को योजनाओं से लाभान्वित करने आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं। इसी क्रम में डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम पेण्ड्री, डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम ओडारबांध, छुरिया विकासखंड के ग्राम बिसाहूटोला व भंडारपुर, राजनंदागांव विकासखंड के ग्राम सांकरा एवं महरुमखुर्द में मोबाईल कैम्प एवं ई-केवायसी शिविर का

आयोजन किया गया। इन मोबाईल कैम्प एवं ई-केवायसी शिविर में 402 श्रमिक उपस्थित हुए। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल अंतर्गत तथा छत्तीसगढ़ अर्सागठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मण्डल अंतर्गत 50 श्रमिकों का नये श्रमिक पंजीयन हेतु आवेदन किया गया। शिविर में 11 वैधता अवधि समाप्त होने वाले श्रमिक पंजीयन का नवीनीकरण आवेदन किया गया एवं 3 हितग्राहियों के संशोधन एवं 10 योजनाओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए गए। शिविर में 114 श्रमिकों का ई-केवाईसी सत्यापन किया गया। शिविर में 134 श्रमिकों की विभिन्न योजनाओं से संबंधित जानकारी दी गई एवं ब्रोसर का वितरण किया गया। सहायक श्रमायुक्त ने श्रमिकों से जिले में आयोजित मोबाईल कैम्पों में शामिल होकर नवीन श्रमिक पंजीयन एवं श्रमिक पंजीयन नवीनीकरण कराने के लिए आवेदन प्रस्तुत करने की अपील की है। मोबाईल कैम्पों में श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों के कल्याण के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

सेवा संकल्प अभियान: आंगनबाड़ी के नन्हे-मुन्नें के साथ रहे और अपनत्व की खुशियां, ग्राम मट्टा में हुआ न्योता भोज नन्हे बच्चों संग जनप्रतिनिधियों ने साझा की भोजन की खुशियां, मट्टा में दिखी सामुदायिक सहभागिता



■ यश भारत

एमसीबी। सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत आज जिले के भरतपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत मट्टा के आंगनबाड़ी केंद्र में नन्हे-मुन्ने बच्चों के साथ आत्मीयता, स्नेह और अपनत्व से भरा न्योता भोज आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती यशवंती सिंह तथा विशिष्ट अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष भरतपुर मायाप्रताप सिंह सहित प्रदीप कुमार मंडल अध्यक्ष, हीरालाल यादव महामंत्री, सरपंच धरमपाल बैग, रामाश्रय पाण्डेय महामंत्री, कलेक्टर सतन देवी जांगड़े, अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार, एसडीएम भरतपुर शशि शेखर मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर स्विनिल वर्मा एवं नेहा खलखो, उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों एवं उपस्थित अतिथियों ने आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों के साथ बैठकर भोजन किया और उनके साथ आत्मीय समय बिताया।

पौष्टिक आहार के साथ बच्चों को मिला रहे और अपनत्व

न्योता भोज का उद्देश्य बच्चों को पौष्टिक एवं संतुलित आहार उपलब्ध कराने के साथ उनमें अपनत्व और सामुदायिक सहभागिता की भावना को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को प्रेमपूर्वक भोजन कराया गया।

26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

■ यश भारत

राजनंदागांव। 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता के शुभारंभ समारोह का आयोजन दिग्विजय स्टेडियम राजनंदागांव के इण्डोर हॉल में किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव ने प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खेल मनोरंजन के साथ-साथ जीवन में आगे बढ़ने के अवसर भी प्रदान करती हैं। खेलों के माध्यम से खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर क्षेत्र एवं जिले का नाम रोशन करते हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। साथ ही कोच एवं आयोजकों को अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठापूर्वक करने कहा। अध्यक्ष जिला क्रिकेट संघ श्री सुशील कोठारी ने समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सभी खिलाड़ी



अपने खेल क्षेत्र से उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए छत्तीसगढ़ का नाम देश-विदेश में रोशन करें। उन्होंने प्रतिभागियों को खेल एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान की। जिला शिक्षा अधिकारी एवं संगठन

सचिव 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता श्री प्रवास कुमार सिंह बघेल ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी 5 संभाग बस्तर, बिलासपुर, सरगुजा, रायपुर एवं मेजबाब दुर्ग से 220 बालक

एवं 300 बालिका कुल 520 प्रतिभागी एवं 100 ऑफिसियल्स सम्मिलित हुए हैं। प्रतियोगिता में हॉकी (बालक-बालिका 17 वर्ष), योगा (बालक-बालिका 14, 17, 19 वर्ष), बैडमिंटन (बालक-बालिका

14 वर्ष), क्रिकेट (बालक 19 वर्ष) खेलों का आयोजन होगा। बैडमिंटन, योगा एवं क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन दिग्विजय स्टेडियम एवं हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन श्री गुरुनानक स्कूल में आयोजित किया जाएगा। समारोह में रॉयल किड्स कावेन्ट स्कूल राजनंदागांव के विद्यार्थियों द्वारा स्वागत गीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर उपाध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती किरण साहू, अध्यक्ष जनपद पंचायत राजनंदागांव श्रीमती प्रतिमा चन्द्राकर, पार्षद श्रीमती प्रियंका कुरंजेकर, फील्ड मार्शल श्री शैलेन्द्र तिवारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी, प्रतिभागी खिलाड़ी, कोच एवं खेल प्रेमी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता श्रीमती शीतल दास एवं व्यायाम शिक्षक श्रीमती सोमू प्रसन्ना द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन प्रभारी सहायक जिला क्रीड़ा अधिकारी श्री देवेन्द्र ठाकुर ने किया।

आस्था पर भारी पड़ी मूसलाधार बारिश राजनंदागांव में आज नहीं निकलेगी गणेश झांकी, कल 26 सितंबर को दर्शन दे सकते हैं बप्पा

- मौसम के मिजाज को देखते हुए प्रशासन और समितियों ने लिया फैसला
 - 40 समितियों की जीवंत झांकियां तैयार, मौसम साफ रहा तो कल सजेगी झांकी की नगरी
- यश भारत



राजनंदागांव। 25 सितम्बर 26 'हॉकी और झांकी की नगरी' के नाम से प्रसिद्ध संस्कारधानी में लगातार जारी बारिश ने इस बार अनंत चतुर्दशी के उल्लास की गति धीमी कर दी है। शहर भर में लगभग 40 समितियों द्वारा धार्मिक प्रसंगों, मनमोहक लाइटिंग और स्वचालित कलाकृतियों से सजी झांकियां पूरी तरह तैयार हैं, लेकिन आसमान से बरसती आफत और जनजीवन के अस्त-व्यस्त होने के चलते आज रात्रि निकलने वाला विसर्जन चल समारोह स्थगित कर दिया गया है। प्रशासन द्वारा बुलाई गई आपात

बैठक में सभी गणेश उत्सव समितियों ने जनसुरक्षा और व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि विसर्जन झांकी अब कल, 26 सितंबर को निकाली जाएगी। हालांकि, इस पर अंतिम मुहर कल के मौसम के मिजाज को देखकर ही लगेगी। गौरतलब है कि राजनंदागांव की स्वचालित झांकियां पूरे मध्य भारत में प्रसिद्ध हैं, जिन्हें देखने पड़ोसी राज्यों से भी हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। जिला प्रशासन ने लगातार हो रहे जलभराव को देखते हुए आम जनता से सावधानी बरतने और अफवाहों से दूर रहकर आधिकारिक सूचना का पालन करने की अपील की है।

रसेड़ा में घर का ताला तोड़कर चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

- आरोपी के कब्जे से स्कूटी और लोहे की रॉड बरामद, भेजा गया जेल
- यश भारत

जांजगीर-चांपा। अकलतरा थाना क्षेत्र के ग्राम रसेड़ा में घर का ताला तोड़कर चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी में प्रयुक्त स्कूटी और लोहे की रॉड बरामद की है। ग्राम रसेड़ा निवासी संदीप साहू 24 सितंबर को घर में ताला लगाकर काम से बाहर गए थे। रात में वापस लौटने पर उन्होंने घर के अंदर चोरों को देखा और ग्रामीणों की मदद से एक आरोपी को पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपी की पहचान रायगढ़ निवासी मानसिंह उर्फ रामू सिंह के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपी ने अपने साथी के साथ मिलकर अलमारी से 3 हजार रुपये चोरी करना स्वीकार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से स्कूटी क्रमांक सीजी 04 सीएस 5816 और ताला तोड़ने वाली रॉड जब्त की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया है।

निगम की खुली पोल: एक दिन की बारिश में धुला सड़क का पेंचवर्क

■ यश भारत

राजनंदागांव। गणेश विसर्जन झांकियों को देखते हुए नगर निगम द्वारा शहर की सड़कों पर कराया गया पेंचवर्क एक दिन की तेज बारिश में ही सबालों के घेरे में आ गया है। लगातार बारिश के बाद कई सड़कों पर किए गए पेंचवर्क के स्थानों पर फिर से गड्ढे नजर आने लगे हैं। इससे सड़क की गुणवत्ता और पेंचवर्क की टिकाऊ व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। गणेश विसर्जन को लेकर शहर में तैयारियां जोरों पर थीं, लेकिन दिनभर हुई लगातार बारिश के चलते विसर्जन झांकी को एक दिन के लिए टालना पड़ा। अब बारिश के बाद सड़कों की बदहाली ने गणेशोत्सव समितियों की परेशानी और बढ़ा दी है। झांकियां कैसे गुजरेंगी गड्ढों भरी सड़कों से? गणेश विसर्जन के दौरान बड़ी-बड़ी झांकियां शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरती हैं। ऐसे में सड़कों पर जगह-जगह बने गड्ढे समितियों के लिए बड़ी

चुनौती बन गए हैं। झांकियों के आकार और उनके साथ चलने वाली भीड़ को देखते हुए सड़क की स्थिति सुरक्षित होना जरूरी है।

बारिश के बाद कई स्थानों पर सड़कें फिर से उखड़ने लगी हैं और गड्ढे स्पष्ट नजर आ रहे हैं। ऐसे में समितियों के सामने अब यह सवाल खड़ा हो गया है कि विसर्जन के दौरान झांकियों को इन गड्ढों से होकर सुरक्षित तरीके से कैसे निकाला जाएगा।

पेंचवर्क की गुणवत्ता पर उठे सवाल

गणेश विसर्जन से पहले कराया गया पेंचवर्क यदि एक दिन की बारिश में ही खराब हो गया है, तो इसकी गुणवत्ता और कार्य की प्रक्रिया को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। अब समितियों और नागरिकों की नजर नगर निगम की अगली कार्रवाई पर है कि विसर्जन से पहले सड़कों के गड्ढों को दोबारा किस तरह दुरुस्त किया जाता है। विसर्जन झांकियों के सुचारु और सुरक्षित संचालन के लिए सड़कों की तत्काल फिर से मरम्मत की आवश्यकता है।



हेरोइन तस्करी मामले में 3 फरार आरोपी गिरफ्तार, करीब 29 लाख का माल बरामद

■ यश भारत

भिलाई। थाना खुर्सीपार पुलिस ने मादक पदार्थ हेरोइन की अवैध तस्करी के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, 19 सितंबर को सूचना मिली थी कि खुर्सीपार के जोन 03, जौरो स्ट्रीट स्थित एक मकान में अवैध रूप से हेरोइन बेची जा रही है। पुलिस टीम ने तुरंत छापेमारी कर कार्रवाई की थी। उस दौरान मौके से 70.460 ग्राम हेरोइन,

नकदी, सोने-चांदी के आभूषण, मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक तराजू बरामद किए गए थे। जप्त की गई कुल सामग्री की कीमत लगभग 29,22,300/- आंकी गई थी। मामले में पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट (NDPS Act) की धारा 8, 21(ख) और 27(क) के तहत अपराध क्रमांक 431/2026 दर्ज कर विवेचना शुरू की थी। कार्रवाई के दौरान तीन आरोपी फरार होने में कामयाब हो गए थे, जिनकी लगातार पतासाजी की जा रही थी।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम:

1. सैमसंग प्रसाद उर्फ सल्लू

(32 वर्ष) – निवासी: हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, जामुल

2. गुरमीत सिंह उर्फ लक्की (21 वर्ष) – निवासी: जौरो स्ट्रीट, जोन 03, खुर्सीपार
3. आशीष कुमार शाह (26 वर्ष) – निवासी: शिवाजी नगर, खुर्सीपार

पुलिस टीम ने 25 सितंबर को घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को धर दबोचा। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि नशे के अवैध कारोबार या किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी।

यश भारत

दुर्ग ब्यूरो चीफ

दैनिक यश भारत समाचार पत्र रायपुर के लिये दुर्ग का ब्यूरो चीफ शमशेर खान को नियुक्त किया गया है। अतः समाचार, प्रेस विज्ञापितियां, कार्यक्रमों के लिये आमंत्रण एवं विज्ञापन तथा समाचार पत्र के लिये संपर्क करें।

शमशेर खान

ब्यूरो चीफ 'यश भारत' (दुर्ग)

यश भारत

बस्तर संभाग

दैनिक यश भारत समाचार पत्र रायपुर के लिये बस्तर संभाग का ब्यूरो चीफ रवि दुबे को नियुक्त किया गया है। अतः समाचार, प्रेस विज्ञापितियां, कार्यक्रमों के लिये आमंत्रण एवं विज्ञापन तथा समाचार पत्र के लिये संपर्क करें।

रवि दुबे

ब्यूरो चीफ 'यश भारत' (बस्तर संभाग)
मो. 7987621085, 9424281645

यश भारत

राजनंदागांव

यश भारत समाचार पत्र द्वारा मनमोहन शर्मा, निवासी जूनी हटरी, राजनंदागांव को जिला ब्यूरो चीफ नियुक्त किया गया है। समाचार, प्रेस विज्ञापित, शासकीय कार्यक्रम, प्रेस आमंत्रण, विज्ञापन एवं समाचार पत्र के लिए संपर्क करें।

मनमोहन शर्मा

जिला ब्यूरो चीफ, यश भारत
मो. 9425246107



बारिश में भिलाई 'पानी-पानी', दावों की उधेड़ी बखिया; निगम की नालियों में 'अमले' से ज्यादा कचरा जाम!

मूसलाधार बारिश ने खोली ड्रेनेज सिस्टम की पोल; आयुक्त के निर्देश पर दौड़ा अमला, पर जनता पूछती है— मानसून से पहले सफाई के नाम पर कहां गया बजट?

■ यश भारत

भिलाई। रातभर बरसे पानी ने नगर निगम भिलाई के उन तमाम कागजी दावों की हवा निकाल दी, जिनमें मानसून से पहले नालों-नालियों की सफाई का छाती ठोककर दावा किया गया था। चंद घंटों की मूसलाधार बारिश क्या हुई, भिलाई का ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह धड़ाम हो गया। शहर की सड़कों से लेकर बस्तियों तक जलभराव ऐसा हुआ कि लगा मानो निगम ने सफाई नहीं, बल्कि नालियों को कचरे का गोदाम बनाकर छोड़ दिया हो।

जब पानी लोगों के घरों की देहरी लांघने लगा और सड़कों पर गाड़ियां तैरने लगीं, तब जाकर निगम प्रशासन की नींद टूटी। आनन-फानन में निगम आयुक्त सुरुचि सिंह ने मैदानी अमले को जमीन पर उतारा। सवाल यह है कि जब नालियों और पुलियों में कचरा पहले से जमा था, तो 'प्री-मानसून' सफाई के नाम पर अब तक क्या केवल फाइलों में पत्रे रंगे जा रहे थे? कचरा फंसने से अवरुद्ध हुए पानी के बहाव को खोलने के लिए सफाई कर्मियों को जलभराव वाली जगहों पर तैनात तो कर दिया गया, लेकिन यह कार्रवाई राहत से ज्यादा लीपापोती नजर आई। जहाँ-तहाँ से प्लास्टिक, मलबा और कचरा निकालकर तात्कालिक रास्ता तो बना दिया गया, लेकिन यह सवाल जस का तस खड़ा है कि आखिर हर बार पहली बारिश में ही भिलाई 'कचरा-जाम' की स्थिति में क्यों आ जाता है?

इधर, निगम के अधिकारी अपने ढर्रे पर जवाब देते नजर आए। उनका दावा है कि 'बारिश रुकते ही पानी तेजी से निकल जाएगा।' लेकिन अधिकारी यह भूल जाते हैं कि जब तक बारिश रुकने का इंतजार होगा, तब तक आम जनता के नुकसान की भरपाई कौन करेगा? फिलहाल, निगम का अमला सड़कों पर मुस्तेद दिखने का नाटक तो कर रहा है, पर भिलाई की जनता इस 'त्विरित कार्रवाई' को निगम की नाकामी पर ढकी गई चादर मान रही है।

436 के बीमा प्रीमियम से परिवार को मिला 2 लाख का आर्थिक संबल

बिहान से जुड़ी समूह सदस्य सगनी बाई ध्रुव के निधन के बाद पति को मिला प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना का लाभ

■ यश भारत

धमतरी । ग्रामीण परिवारों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाएं विपरीत परिस्थितियों में आर्थिक संबल का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) से जुड़कर स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को बैंकिंग सेवाओं एवं बीमा जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने के प्रयासों का सकारात्मक परिणाम जिले में सामने आया है।

ग्राम अर्जुनी निवासी एवं ठाकुर देव स्व-सहायता समूह की सदस्य स्वर्णीय सगनी बाई ध्रुव ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत मात्र 436 वार्षिक प्रीमियम देकर अपना बीमा कराया था। दुर्भाग्यवश उनके निधन के बाद बीमा दावा प्रक्रिया पूरी की गई, जिसके पश्चात उनके पति कानतु राम ध्रुव को 2 लाख की बीमा राशि प्राप्त हुई। परिवार के लिए यह राशि कठिन समय में आर्थिक सहारा बनी है और दैनिक आवश्यकताओं तथा भविष्य की जरूरतों को पूरा करने में मददगार साबित होगी।

छोटी बचत, बड़ी सुरक्षा का आधार

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के माध्यम से कम वार्षिक प्रीमियम में परिवार को जीवन बीमा सुरक्षा मिलती है। ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए ऐसी योजनाओं से जुड़ना आकस्मिक परिस्थितियों में आर्थिक जोखिम को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

सगनी बाई ध्रुव का उदाहरण यह दर्शाता है कि समय रहते सामाजिक सुरक्षा योजना से जुड़ना परिवार के लिए संकट की घड़ी में महत्वपूर्ण आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर सकता है। बिहान के स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को केवल आजीविका गतिविधियों से ही नहीं, बल्कि बैंकिंग, बीमा, पेंशन और अन्य

आफत की बारिश: जलमग हुई दुर्ग-भिलाई की सड़कें, हाइवे पर पहियों की रफ्तार थमी

■ यश भारत

दुर्ग/भिलाई। जिले में बीते 24 घंटों से हो रही मूसलाधार बारिश ने शहर की जनजीवन और यातायात व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। प्रमुख मार्गों और राष्ट्रीय राजमार्ग (NH-53) पर जलभराव होने से यातायात पूरी तरह चरमरा गया है। अंडरपासों और निचले इलाकों में पानी भरने के कारण दोपहिया से लेकर भारी वाहनों की आवाजाही पर बुरा असर पड़ा है।

हाइवे पर लगा लंबा जाम, रिंग रोड की स्थिति खराब

बारिश के पानी की निकासी सही ढंग से न होने के कारण भिलाई-दुर्ग लिंक रोड और जीई रोड के कई हिस्सों में घुटनों तक पानी भर गया है। कुम्हारी से लेकर दुर्ग बाईपास तक वाहनों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। जलभराव के कारण सड़कों के

गड्डे नजर न आने से हादसों का खतरा भी बढ़ गया है, जिससे वाहन चालक रंग-रंगकर चलने को मजबूर हैं।

अंडरपास बने 'स्वीमिंग पूल', डायवर्ट किया गया ट्रैफिक

शहर के कई प्रमुख रेलवे अंडरपासों में पानी भर जाने से संपर्क मार्ग पूरी तरह कट गए हैं। स्थिति को संभालते हुए यातायात पुलिस ने संवेदनशील रास्तों से ट्रैफिक को डायवर्ट

करना शुरू कर दिया है। भारी पुलिस बल को प्रमुख चौराहों पर तैनात किया गया है ताकि यातायात व्यवस्था को संभाला जा सके।

प्रशासन का जल निकासी का दावा, जनता परेशान

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि मानसून से पहले नालियों की सही तरीके से सफाई न होने के कारण यह नौबत आई है। हालांकि, निगम और जिला प्रशासन का दावा



शिवनाथ नदी का जलस्तर बढ़ा बैराजों से 14,650 क्यूसेक पानी छोड़ने से महमरा एनीकट में तीन घंटे में एक फीट वृद्धि

■ यश भारत

दुर्ग। जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण चार बैराजों से कुल 14,650 क्यूसेक पानी छोड़े जाने से शिवनाथ नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। महमरा एनीकट में सुबह से दोपहर तक तीन घंटे में एक फीट पानी की वृद्धि दर्ज की गई है।

दुर्ग सिंचाई विभाग के शिवनाथ डिवीजन के कार्यपालन अभियंता आशुतोष सारस्वत के अनुसार सुबह 9:50 बजे की स्थिति में मोगरा बैराज से 8,000, घुमरिया बैराज से 1,250, सुखा नाला से 3,200 और खातुलोला से 2,200 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। यह पानी शिवनाथ नदी में पहुंच रहा है।

शिवनाथ नदी स्थित महमरा एनीकट में सुबह करीब एक फीट तीन इंच पानी था, जो ग्यारह बजे तक बढ़कर दो फीट तीन इंच हो गया। सिंचाई विभाग ने आशंका जताई है कि

बारिश के बीच प्रशासन की संवेदनशील पहल, प्रसूता को सुरक्षित अस्पताल पहुंचाया

■ यश भारत

कोण्डगांव। जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच ग्राम पंचायत आवंरी के आश्रित ग्राम ऊपर बेडमापारा की प्रसूता को जिला प्रशासन की त्वरित पहल से समय पर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई गई। पहुंचविहीन क्षेत्र होने के कारण एंबुलेंस के गांव तक पहुंचने में कठिनाई की स्थिति निर्मित हो गई थी। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रसूता को सुरक्षित अस्पताल पहुंचाने के लिए तत्काल आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की।

प्रसूता की स्थिति की जानकारी कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना एवं केशकाल

प्रशासन एवं पुलिस की तत्परता से एंबुलेंस गांव तक पहुंच सकी। प्रसव पीड़ा से जूझ रही महिला को उसके परिजनों एवं टीम की सहायता से एंबुलेंस तक पहुंचाया गया। इसके बाद उसे सुरक्षित रूप से केशकाल अस्पताल लाया गया।

अस्पताल पहुंचने के कुछ ही देर बाद गूंजी नन्ही किलकारी

केशकाल अस्पताल पहुंचने के लगभग 10 मिनट बाद ही प्रसूता का सुरक्षित प्रसव हुआ। महिला ने स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। जच्चा और बच्चा दोनों सुरक्षित बताए गए हैं। प्रसव के बाद परिजनों ने राहत और खुशी व्यक्त की।

लगातार बारिश और पहुंचविहीन

क्वार् नवरात्रि पर्व डोंगरगढ़ मेले में यात्रियों की सुविधा एवं कानूनी व्यवस्था के संबंध में 28 सितम्बर को बैठक

■ यश भारत

राजनांदगांव। माँ बन्नेश्वरी मंदिर डोंगरगढ़ में क्वार् नवरात्रि पर्व पर 11 अक्टूबर 2026 से प्रारंभ होने वाले

भारी बारिश और जलभराव की स्थिति को लेकर मंत्री केदार कश्यप ने बस्तर संभाग के सभी कलेक्टरों से की बात

■ बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य तेज करने के निर्देश, प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए निर्देश

■ नदी-नालों और संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी के निर्देश, प्रशासन को अलर्ट मोड पर रहने को कहा

जगदलपुर/रायपुर। बस्तर संभाग में लगातार हो रही भारी बारिश और कई क्षेत्रों में उत्पन्न जलभराव एवं बाढ़ जैसी परिस्थितियों को देखते हुए कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप ने बस्तर संभाग के सभी जिलों के कलेक्टरों से दूरभाष पर चर्चा कर स्थिति की जानकारी ली। मंत्री कश्यप ने संबंधित जिलों में बारिश से प्रभावित क्षेत्रों, नदी-नालों के जलस्तर, आवागमन की स्थिति तथा प्रशासन द्वारा संचालित राहत एवं बचाव कार्यों के संबंध में जानकारी लेते हुए अधिकारियों को पूरी सतर्कता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

मंत्री कश्यप ने कहा कि भारी बारिश से प्रभावित क्षेत्रों में आम नागरिकों की सुरक्षा प्रशासन की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। जहां भी जलभराव अथवा बाढ़ की स्थिति बन रही है, वहां प्रशासनिक अमला तत्काल सक्रिय होकर आवश्यक राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करें। प्रभावित लोगों को

सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के साथ ही उनके लिए भोजन, स्वच्छ पेयजल, दवाइयां एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने कलेक्टरों को निर्देशित किया कि जिले के संवेदनशील एवं निचले इलाकों की लगातार निगरानी रखी जाए। नदी-नालों के बढ़ते जलस्तर पर विशेष नजर रखी जाए तथा ऐसे मार्ग, पुल-पुलिया या रफ्टे, जिनके ऊपर से पानी बह रहा हो, वहां किसी भी स्थिति में लोगों को जोखिम लेकर आवागमन न करने दिया जाए। आवश्यकता के अनुसार पुलिस एवं प्रशासन की टीम तैनात कर बैरिकेडिंग और अन्य सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाएं।

दलों को आवश्यक संसाधनों के साथ अलर्ट रखा जाए, ताकि किसी भी आपात परिस्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके।

राहत शिविरों में आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश

मंत्री कश्यप ने कहा कि जिन क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने की आवश्यकता पड़ रही है, वहां राहत शिविरों की समुचित व्यवस्था की जाए। राहत शिविरों में भोजन, पेयजल, आवश्यक दवाइयां और प्राथमिक उपचार के सुविधाओं को उपलब्धता सुनिश्चित हो। बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों

और जरूरतमंद लोगों की आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिए कि प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य अमले को भी सतर्क रखा जाए। बारिश और जलभराव के बाद उत्पन्न होने वाली स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए आवश्यक दवाइयां एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था रखी जाए।

जनहानि रोकना सर्वोच्च प्राथमिकता : केदार कश्यप

मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि भारी बारिश की इस परिस्थिति में जनहानि को रोकना और प्रत्येक प्रभावित व्यक्ति

तक समय पर सहायता पहुंचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रशासन पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ राहत एवं बचाव कार्य करें। किसी भी प्रभावित परिवार को आवश्यक सहायता से वंचित नहीं रहने दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि राहत एवं बचाव कार्यों में संसाधनों की आवश्यकता होने पर तत्काल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिला स्तर पर स्थिति की लगातार समीक्षा हो और मैदानी अमला पूरी तरह सक्रिय रहे। प्रशासन एवं संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें, ताकि प्रभावित लोगों तक सहायता पहुंचाने में किसी प्रकार का विलंब न हो।

महाभियोग की चर्चा और चुनाव आयोग की स्वतंत्रता

महाभियोग की सियासत से आगे, सवाल चुनाव आयोग की स्वतंत्रता का चुनाव आयोग के भीतर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सामने आई कथित असहमति ने देश की चुनावी व्यवस्था को लेकर नई बहस छेड़ दी है। रिपोर्टों के अनुसार चुनाव आयुक्तों के बीच एसआईआर को लेकर मतभेद सामने आए हैं। इसी के बाद विपक्ष ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग की मांग उठाई है। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच यह समझना जरूरी है कि मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाना किसी सामान्य प्रशासनिक फैसले जैसा नहीं है। इसके लिए संविधान ने बेहद कठिन और लंबी प्रक्रिया तय की है। मुख्य चुनाव आयुक्त कोई सामान्य सरकारी पद नहीं है। निर्वाचन आयोग को संविधान ने स्वतंत्र संस्था के रूप में स्थापित किया है, ताकि चुनाव प्रक्रिया सरकार या किसी राजनीतिक दल के दबाव से प्रभावित न हो। इसी उद्देश्य से संविधान के अनुच्छेद 324(5) में मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने के लिए विशेष सुरक्षा दी गई है। उन्हें सरकार सीधे बर्खास्त नहीं कर सकती।

यहां ‘महाभियोग’ शब्द को लेकर भी स्थिति स्पष्ट करना जरूरी है। संवैधानिक रूप से मुख्य चुनाव आयुक्त के मामले में ‘महाभियोग’ नहीं, बल्कि ‘निष्कासन’ की प्रक्रिया का प्रावधान है।

संविधान के अनुच्छेद 61 में महाभियोग शब्द राष्ट्रपति को हटाने के संदर्भ में इस्तेमाल किया गया है। हालांकि राजनीतिक और सार्वजनिक विमर्श में मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की इस प्रक्रिया को भी महाभियोग कहा जाता है।

मुख्य चुनाव आयुक्त को केवल साबित कदाचार या अक्षमता के आधार पर हटाया जा सकता है। महज किसी फैसले पर असहमति, राजनीतिक आलोचना या आरोप लाना पर्याप्त नहीं है। आरोपों की जांच और उनके साबित होने के बाद ही संसद की प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है।

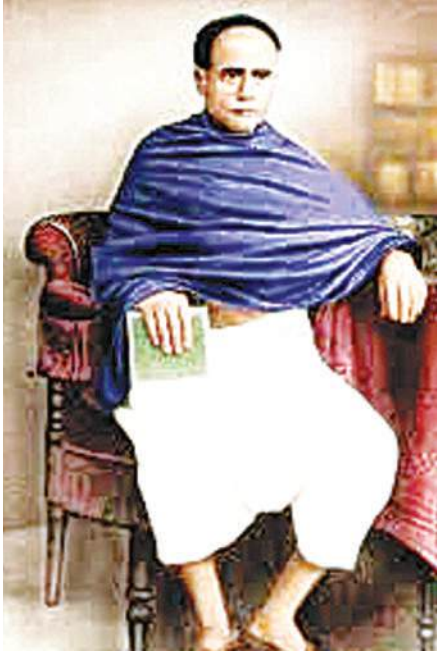
लोकसभा में प्रस्ताव लाने के लिए कम से कम 100 सांसदों और राज्यसभा में कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं। प्रस्ताव स्वीकार होने के बाद आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की जाती है। यदि समिति आरोपों को साबित मानती है तो संसद में प्रस्ताव पर विचार होता है। दोनों सदनों में विशेष बहुमत से प्रस्ताव पारित होना जरूरी है। इसके बाद ही राष्ट्रपति के स्तर पर निष्कासन की प्रक्रिया पूरी होती है। यहीं स्पष्ट होता है कि महाभियोग की मांग करना और वास्तव में किसी मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाना दो बिस्कुल अलग बातें हैं। राजनीतिक बयान देना अपेक्षाकृत आसान है, लेकिन संवैधानिक कसौटियों को पार करना बेहद कठिन। भारत में अब तक किसी मुख्य चुनाव आयुक्त को इस प्रक्रिया के जरिए पद से नहीं हटाया गया है।इसलिए चुनाव आयोग के भीतर मतभेदों की खबरों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए, लेकिन किसी निष्कर्ष तक पहुंचने से पहले आरोपों की जांच और प्रमाण जरूरी हैं। चुनाव आयोग की स्वतंत्रता लोकतंत्र की बुनियादी शर्त है, लेकिन स्वतंत्रता का अर्थ जवाबदेही से मुक्ति भी नहीं हो सकता। जरूरत ऐसी व्यवस्था की है जिसमें आरोपों की निष्पक्ष जांच हो, निर्णयों में पारदर्शिता रहे और राजनीतिक विवादों के बावजूद निर्वाचन आयोग की संस्थागत विश्वसनीयता कायम रहे।महाभियोग की राजनीति से बड़ा सवाल यही है कि चुनाव आयोग पर जनता का भरोसा कैसे मजबूत रहे। लोकतंत्र में संस्था की स्वतंत्रता और उसकी जवाबदेही—दोनों साथ चलनी चाहिए।



मेघ उत्साहित आनंद भरा दिन रहेगा परिवार का पूरा सहयोग मिलता दिख रहा है। कोर्ट कचहरी धाने से दूर रहे।	वृष कल और संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा घर में मांगलिक कार्य आयोजित हो सकते हैं।
मिथुन कारोबार में तरक्की की योग बनते दिख रहे हैं। खर्चों की अधिकता बनी रहेगी।	कर्क अस्त व्यस्त दिनचर्या को सुधारने की जरूरत है योग प्राणायाम करके स्वास्थ्य लाभ में सुधार होगा।
सिंह जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी।	कन्या प्रोफेशनल लाइफ में छोटी-मोटी दिक्कतें हो सकती हैं। अपने बुद्धि विवेक से समस्याओं का हल निकालें।
तुला सुख सुविधाओं के संसाधन की खरीदारी कर सकते हैं। उत्साह पूर्वक दिन व्यतीत करेंगे। व्यतीत करेंगे।	वृश्चिक आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। नौकरी में तरक्की मिलने की योग बनते दिख रहे हैं।
धनु रिश्तों में चल रही दिक्कतों को समझदारी से सुलझाने की कोशिश करें। कोथ से बचना होगा।	मकर वाणी पर नियंत्रण रखते हुए कार्य करें। बिना सोचे विचारें किसी भी निर्णय में न पहुंचें।
कुंभ आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। नए कार्य की शुरुआत के लिए दिन अच्छा है।	मीन सामाजिक पद पंजिहा में वृद्धि होगी। घर वालों का पूरा सहयोग रहेगा।

‘अपना काम स्वयं करें’ सिद्धांत के प्रवर्तक ईश्वरचंद्र विद्यासागर नारी शिक्षा के प्रबल समर्थक थे, जिन्होंने सदैव लोगों को अपने क्रियाकलापों के माध्यम से स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता की सीख दी। भारतीय इतिहास में उन्हें एक महान शिक्षक, फिलॉसोफर और समाज सुधारक जैसे कई रूपों में याद किया जाता है। अपने सादा जीवन, निडर स्वभाव, आत्म-बलिदान की भावना, शिक्षा के प्रति समर्पण और दलितों के हित के लिए किए गए कार्यों के कारण ईश्वरचंद्र विद्यासागर पूरी दुनिया के लिए एक महान व्यक्ति बन गए थे। संस्कृत कॉलेज में उन्होंने आधुनिक पश्चिमी विचारों के अध्ययन की शुरुआत की और तथाकथित निचली जातियों के छात्रों को संस्कृत का अध्ययन करने के लिए प्रवेश दिया। संस्कृत भाषा और दर्शन में अगाध ज्ञान होने के कारण उनकी महान विद्वता के लिए कलकत्ता के संस्कृत कॉलेज, जिसके बाद में वे कुछ वर्षों तक प्रिंसिपल भी रहे, ने ही उन्हें विद्यार्थी जीवन में ही ‘विद्यासागर’ की उपाधि से सम्मानित किया था। उन्होंने संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए जीवन पर्यन्त प्रयास किया। बांग्ला भाषा के गद्य को सरल और आधुनिक बनाने का उनका कार्य भी सदैव याद किया जाएगा। उन्होंने बांग्ला लिपि की वर्णमाला को सरल और तर्कसम्मत बनाया तथा बांग्ला पढ़ने के लिए सैंकड़ों विद्यालय स्थापित किए और रात्रि पाठशालाओं की भी व्यवस्था की।

नारी शिक्षा के लिए तो ईश्वरचंद्र ने व्यापक जनान्दोलन खड़ा किया ही था, उन्हीं के निरंतर प्रयासों और दृ?संकल्प की बदौलत ही वर्ष 1856 में ब्रिटिश शासनकाल में अंग्रेज सरकार विधवा पुनर्विवाह कानून पारित करने को विवश हुई थी, जिसके बाद भारतीय समाज में विधवाओं को नए सिरे से जीवन की



शुरूआत कर सम्मान के साथ जीने का अधिकार प्राप्त हुआ था। दरअसल उस समय हिंदू समाज में विधवाओं की स्थिति काफी चिंताजनक थी। 1820 में जिस समय वह बंगाल में पैदा हुए थे, उन दिनों समाज में अनेक कुरीतियां ज? जमाई हुई थी, जिनमें एक थी विधवा होने वाली महिलाएं या सती होने के लिए बाध्य की जाती थी या फिर उनका वैधव्य जीवन बेहद उपेक्षित और दयनीय स्थिति में बीतता था। ईश्वर चंद्र ही वह शख्सियत थे, जिन्होंने तमाम विरोधों के बाद भी न केवल बंगाल में विधवाओं का विवाह कराया बल्कि

छात्रों की आत्महत्या के असल जिम्मेदार कौन?

आईआईटी मुंबई में एक छात्र की आत्महत्या ने फिर से कई पुराने सवाल खड़े कर दिये हैं लेकिन हम हैं कि असल मुद्दे छोड़कर लेकर पीटने में मशगूल हैं। जैसे नीट पेपर लोक में मंत्री के इस्तीफे को सारी समस्या का इलाज समझ लिया गया था वैसे ही इस प्रकरण में प्रोफेसर के इस्तीफे की मांग की जा रही है। एपसी/एसटी एक्ट के अताकिंक लेकिन डरावने प्रावधानों के तहत प्रोफेसर के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कर दी गयी है। समर्थन और विरोध में प्रदर्शन हो रहे हैं और सोशल मीडिया भी अच्छी बुरी प्रतिक्रियाओं से सराबोर है। गम्भीर सामाजिक समस्या को राजनीतिक रंग देकर भी?तंत्र के हवाले कर देना आज के दौर में एक परम्परा हो गया है। यह अत्यन्त दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम बार बार असल समस्या को नजरअंदाज करके शूतुरमुर्ग की तरह रेत में सर छिपाये हुये हैं।

ऑन परपज नाम का पॉडकास्ट चलाने वाले विश्वप्रसिद्ध मॉडिवेशनल स्पीकर जय शेंड्री अपनी बेस्टसेलर किताब थिंक लाइक अ मॉन्क में लिखते हैं कि आम तौर पर बच्चों को दो तरह के झुट सुनना पड़ता है। या तो यह कि; तुम जीवन में कुछ नहीं बन सकते या फिर यह कि; तुम जीवन में जो चाहो बन सकते हो। जबकि वास्तविकता यह है कि कोई भी वह नहीं बन सकता जो वो चाहता है लेकिन वह जरूर बन सकता है जो वो है। ये झुट भारतीय समाज के अधिकांश परिवारों पर पूरी तरह फिट बैठते हैं और अक्सर बच्चों से उनकी क्षमता से बहुत ज्यादा उम्मीद की जाती है। उपभोक्तावाद से ग्रस्त समाज में यह समझा जाता है कि महंगी कोचिंग के दम पर बच्चा जो चाहे वह बन सकता है। इस त्रासदी का एक दुखद पहलू यही है कि विरले मातापिता ही बच्चों को नैतिकता, नागरिक जिम्मेदारी, समाजसेवा, देशप्रेम तथा परोपकार की शिक्षा देते हैं। अधिकांश मातापिता की महत्वाकांक्षा बच्चे के आईआईटी अथवा मेडीकल कॉलेज में दाखिले की होती है क्योंकि इन दो व्यवसायों से प्रतिष्ठ और पैसा दोनों ही हासिल होते है।

भारतीय सिस्टम में करियर चुनाव के लिये कोई स्थापित प्रक्रिया नहीं है इसलिए अक्सर मातापिता की महत्वाकांक्षा और समाज की तत्कालीन अपेक्षा ही करियर निर्धारित करती है। जबकि वास्तव में किसी भी बच्चे



का करियर तीन बुनियादी प्रश्नों से तय किया जाना चाहिये। पहला; वह क्या बनना चाहता है, दूसरा; वह क्या बन सकता है और तीसरा; वह क्या बनने के काबिल है? चूंकि हमारे समाज बच्चों में मौलिक सोच विकसित होने की गुंजाइश कम होती है इसलिए वह आसानी से बाहरी दुनिया से प्रभावित हो जाता है। नतीजा यह कि अक्सर पहले प्रश्न के पीछे साधियों का सोच और तत्कालीन सामाजिक धारा का प्रभाव होता है और दूसरे प्रश्न के पीछे माता पिता की महत्वाकांक्षा। तीसरे प्रश्न का उत्तर किसी भी बच्चे के व्यक्तित्व की बनावट और उसकी बौद्धिक क्षमता में मौजूद होता है लेकिन इन दोनों का सही आकलन न होने से सामाजिक दबाव और माता पिता की महत्वाकांक्षा ही ज्यादा असरदार साबित होते हैं। इसीलिये अधिकांश मातापिता द्वारा बच्चों को उनकी इच्छा के विपरीत और क्षमता के बाहर की पढ़ाई करने का दबाव डाला जाता है। और यह समस्या तब और भी गम्भीर हो जाती है जब बच्चों को महंगी कोचिंग क्लास में भेजा जाता है। पहले दसवीं कक्षा के बाद कोचिंग का फैशन था लेकिन बीषण प्रतिस्पर्धा के चलते अब कई कोचिंग संस्थान आठवीं कक्षा के बाद ही नीट या जेईई की तैयारी शुरू करवा देते हैं। इस कोचिंग कोर्स का लाखों खर्च के कारण मातापिता बच्चों को बीच बीच में याद

दिलाते रहते हैं कि उन्हें हर हाल में सफल होना है। मातापिता भले ही इसे प्रेरणा समझें लेकिन यह बच्चों को और अधिक तनाव में डाल देता है।

कोचिंग क्लास की कठिन दिनचर्यां कुछ इस तरह है कि छात्र को परम्परागत स्कूल छोड़ना पड़ता है और उनका प्रवेश ऐसे डमी स्कूलों में करवा दिया जाता है जहां सिर्फ उनकी हाजिरी दिखाई जाती है। चूंकि छात्र स्कूल के वातावरण से वंचित रहते हैं इसलिये उन्हें किशोरावस्था में सामंजस्य, समझौता, सहयोग, और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा सीखने का अवसर ही नहीं मिलता। इसके बजाय वे कोचिंग के तनावपूर्ण माहौल में एक दूसरे से आगे निकलने के हुनर सीखते रहते है। इससे छात्रों का मानसिक और भावनात्मक विकास नहीं हो पाता और भावी जीवन में किसी भी कठिनाई और असफलता से छात्र टूट जाते हैं और कमजोर क्षणों में आत्मघात जैसे कठोर कदम भी उठा लेते हैं।उपभोक्तावाद से प्रेरित समाज की सोच मातापिता की महत्वाकांक्षा तक पहुंच कर रुक गयी है। इसी का नतीजा है कि देश भर के नामी इंजीनियरिंग और मेडीकल संस्थानों में दाखिले के बावजूद बच्चे दबाव और तनाव में रहते हैं। कोचिंग के गलाकाट प्रतिस्पर्धा भरे माहौल में सालों साल कोशिश करते रहने के परिणामस्वरुप ऐसे कई छात्रों की मानसिक स्थिति बेहद नाजुक और कमजोर हो जाती है और नामी संस्थानों में पढ़ाई का दबाव उन्हें निराशा और अवसाद में धकेल देता है। नतीजा यह कि आत्महत्या की घटनाएं निरन्तर जारी है। लेकिन हम हैं कि समस्या को अजीबोगरीब रंग देकर अगली दुर्घटना का इंतजार करने लगते हैं। इस लीलापोती के मूल में यह भय है कि असलियत सामने आते ही उसे स्वीकार करना मुश्किल होगा। और असलियत यही है कि इन आत्महत्याओं के वास्तविक जिम्मेदार महत्वाकांक्षी मातापिता और दिगभ्रमित समाज हैं। हर आत्महत्या पर किसी को बलि का बकरा बना देने से आत्महत्याएं नहीं रुकेगी। शिक्षाशास्त्रिज्यों, मनोवैज्ञानिकों और योजनाकारों को पूरी व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करना पड़ेगा तब हम आत्महत्याएं रोक पायेंगे।

(लेखक- डॉ योगेन्द्र श्रीवास्तव)

परमाणु ताकत में रूस दुनिया मे सबसे आगे, भारत बना रहा है डिलेवरी सिस्टम को आधुनिक

दुनिया में बदलते सामरिक समीकरणों, बढ़ते तनाव और कई क्षेत्रों में जारी संघर्षों के बीच परमाणु हथियार आज भी राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक प्रतिरोधक क्षमता का महत्वपूर्ण हिस्सा बने हुए हैं। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट यानी एसआईपीआरआई की 2026 की रिपोर्ट के अनुसार जनवरी 2026 तक दुनिया के नौ परमाणु हथियार संपन्न देशों के पास अनुमानित 12,187 परमाणु हथियार थे। इनमें करीब 9,745 हथियार सैन्य भंडार में संभावित इस्तेमाल के लिए उपलब्ध माने गए हैं। लगभग 4,012 परमाणु हथियार मिसाइलों और परिचालन वाले विमानों के साथ तैनात थे। जनवरी 2025 की तुलना में यह संख्या करीब 100 अधिक है। एसआईपीआरआई के अनुसार 2,100 से 2,200 परमाणु हथियार बैलैलिस्टिक मिसाइलों पर उच्च परिचालन सतर्कता की स्थिति में थे और इनमें लगभग सभी रूस तथा अमेरिका के थे। रूस और अमेरिका के पास सबसे बड़ा परमाणु जखीरा परमाणु हथियारों की संख्या के मामले में रूस सबसे आगे है। एसआईपीआरआई के अनुमान के अनुसार रूस के पास करीब 5,420 और अमेरिका के पास करीब 5,042 परमाणु हथियार हैं। दोनों देशों के पास मिलाकर दुनिया के सैन्य परमाणु भंडार का करीब 83 प्रतिशत हिस्सा है। इसके बाद चीन करीब 620 परमाणु हथियारों के साथ तीसरे स्थान पर है। फ्रांस के पास करीब 370 और ब्रिटेन के पास करीब 225 परमाणु हथियार होने का अनुमान है। भारत करीब 190 के साथ छठे और पाकिस्तान करीब 170 के साथ सातवें स्थान पर है। इजराइल के पास करीब 90 और उत्तर कोरिया के पास करीब 60 परमाणु हथियार होने का अनुमान है।

इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि परमाणु शक्ति का वैश्विक संतुलन अभी भी मुख्य रूप से रूस और अमेरिका के इर्द-गिर्द केंद्रित है। हालांकि चीन की दिशा भी महत्वपूर्ण हो गई है। एसआईपीआरआई के अनुसार चीन अपने

परमाणु जखीरे का विस्तार किसी भी अन्य परमाणु शक्ति की तुलना में तेज गति से कर रहा है। उसके पास जनवरी 2026 तक करीब 620 परमाणु हथियार होने का अनुमान है और वह बड़ी संख्या में मिसाइल प्रणालियों को विकसित और तैनात कर रहा है। चीन के परमाणु आधुनिकीकरण का असर एशिया के सामरिक संतुलन पर भी पड़ता है। भारत की स्थिति को केवल परमाणु हथियारों की संख्या से नहीं देखा जा सकता। किसी देश की सैन्य शक्ति में परमाणु क्षमता के साथ मिसाइल प्रणाली, समुद्री शक्ति, वायुसेना, थलसेना, अंतरिक्ष आधारित निगरानी, साइबर क्षमता, रक्षा उद्योग और आधुनिक तकनीक की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है। इस दृष्टि से भारत दुनिया की प्रमुख सैन्य शक्तियों में शामिल है। एसआईपीआरआई के अनुसार 2025 में भारत का सैन्य खर्च 8.9 प्रतिशत बढ़कर करीब 92.1 अरब डॉलर हो गया और भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश रहा। अमेरिका 954 अरब डॉलर के साथ पहले, चीन 336 अरब डॉलर के साथ दूसरे और रूस 190 अरब डॉलर के साथ तीसरे स्थान पर था। भारत की सुरक्षा स्थिति अन्य परमाणु देशों से अलग है। भारत के सामने पश्चिम में पाकिस्तान और उत्तर में चीन जैसी दो परमाणु हथियार संपन्न शक्तियां हैं। दोनों देशों की सैन्य क्षमताओं और रणनीतिक नीतियों का भारत की सुरक्षा पर सीधा प्रभाव पड़ता है। चीन के पास भारत की तुलना में परमाणु हथियारों का अनुमानित जखीरा तीन गुने से भी अधिक है और उसका परमाणु आधुनिकीकरण तेज गति से जारी है। दूसरी ओर पाकिस्तान के पास करीब 170 परमाणु हथियार होने का अनुमान है।

यही कारण है कि भारत के लिए सैन्य शक्ति को लगातार आधुनिक बनाना महत्वपूर्ण है। सीमा सुरक्षा केवल सैनिकों की संख्या या परमाणु हथियारों की संख्या से तय नहीं होती। आधुनिक मिसाइल रक्षा, वायु

तत्कालीन अंग्रेज सरकार को इस बारे में कानून बनाने के लिए भी बाध्य किया। उन्होंने विधवा पुनर्विवाह के लिए लोकमत तैयार किया और उनके अदृष्ट प्रयासों की बदौलत ही ‘विधवा पुनर्विवाह कानून’ पारित हो सका था। वह कानून पारित होने के तीन महीने बाद ही उन्होंने एक विधवा कमलादेवी का विवाह प्रतिष्ठित घराने के एक युवक के साथ कराया था, जो बंगाल का पहला विधवा विवाह था। उन्होंने 25 विधवाओं का पुनर्विवाह 1856-60 के बीच सम्पन्न कराया। यही नहीं, अपने इकलौते पुत्र नारायण का विवाह भी एक विधवा से करारकर समस्त उन्होंने भारतीय समाज के समक्ष कथनी और करनी के भेद को खत्म करने की अविस्मरणीय मिसाल पेश की थी।

पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर जिले में धार्मिक प्रवृत्ति के एक गरीब ब्राह्मण परिवार में 26 सितम्बर 1820 को जन्मे ईश्वरचंद्र विद्यासागर जीवन पर्यन्त नैतिक मूल्यों के संरक्षक माने जाते रहे। वास्तव में वे एक ऐसी महान् शख्सियत थे, जिन्होंने नारी शिक्षा को ब?वा देने के साथ-साथ बहुपत्नी प्रथा और बहु-विवाह के खिलाफ भी आवाज उठाई। वे अपने जीवन के अंतिम क्षणों तक नारी उत्थान के प्रबल समर्थक रहे। उनके अथक प्रयासों से ही कोलकाता सहित पश्चिम बंगाल में कई स्थानों पर कई बालिका विद्यालयों की स्थापना हुई थी और उन्होंने कलकत्ता में मेट्रोपोलिटन कॉलेज की स्थापना भी की थी। नारी शिक्षा के लिए गंभीर प्रयास करते हुए उन्होंने बेटुने स्कूल की स्थापना की और करीब तीन दर्जन स्कूल खुलवाए। इतना ही नहीं, इन स्कूलों के संचालन के लिए पूरे खर्च की जिम्मेदारी भी उन्होंने स्वयं उठाई थी। दरअसल स्कूलों के खर्च के लिए वे विशेष रूप से स्कूली बच्चों के लिए बंगाली में लिखी गई

किताबों की बिक्री से फंड जुटाते थे। स्थानीय बांग्ला भाषा तथा ल?कियों की शिक्षा के लिए उन्होंने स्कूलों की एक श्रृंखला के साथ कलकत्ता में मेट्रोपोलिटन कॉलेज की स्थापना भी की थी। ब्रिटिश शासनकाल में ऐसे कॉलेज विरले ही होते थे, जिनका संचालन पूर्ण रूप से भारतीयों के ही हाथों में हो और जहां पढ़ने वाले सभी शिक्षक भी भारतीय ही हों किन्तु ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने कोलकाता में वर्ष 1872 में विद्यासागर कॉलेज की स्थापना कर यह कारनामा भी कर दिखाया था।

बंगाल समाज के लिए किए गए इसी प्रकार के अनेक कार्यों की वजह से ही उन्हें बंगाल पुनर्जागरण का प्रमुख स्तंभ माना जाता है। समाज सुधार तथा समाज की भलाई के लिए किए जाने वाले कार्यों के चलते ही उन्हें गरीबों और दलितों का संरक्षक तथा महान् समाज सुधारक के रूप में जाना जाने लगा। भारतीय समाज में आज भी ईश्वरचंद्र विद्यासागर को स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, लेखक, शिक्षाविद्, दार्शनिक इत्यादि अनेक रूपों में स्मरण किया जाता है। 29 जुलाई 1891 को यह महान् शख्सियत हमेशा के लिए अटल शून्य में विलीन हो गई। हमेशा समाज की भलाई के लिए सोचने और समाज के लिए कुछ अलग करते रहने के कारण ही उन्हें एक महान् समाज सुधारक के रूप में राजा राममोहन राय का उत्तराधिकारी भी माना जाता रहा है। नैतिक मूल्यों के संरक्षक और महान शिक्षाविद विद्यासागर का मानना था कि अंग्रेजी और संस्कृत भाषाओं के ज्ञान का समन्वय करके ही भारतीय और पाश्चात्य परंपराओं के श्रेष्ठ को हासिल किया जा सकता है।

(लेखिका- श्वेता गोयल)

दिलाते रहते हैं कि उन्हें हर हाल में सफल होना है। मातापिता भले ही इसे प्रेरणा समझें लेकिन यह बच्चों को और अधिक तनाव में डाल देता है।

कोचिंग क्लास की कठिन दिनचर्यां कुछ इस तरह है कि छात्र को परम्परागत स्कूल छोड़ना पड़ता है और उनका प्रवेश ऐसे डमी स्कूलों में करवा दिया जाता है जहां सिर्फ उनकी हाजिरी दिखाई जाती है। चूंकि छात्र स्कूल के वातावरण से वंचित रहते हैं इसलिये उन्हें किशोरावस्था में सामंजस्य, समझौता, सहयोग, और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा सीखने का अवसर ही नहीं मिलता। इसके बजाय वे कोचिंग के तनावपूर्ण माहौल में एक दूसरे से आगे निकलने के हुनर सीखते रहते है। इससे छात्रों का मानसिक और भावनात्मक विकास नहीं हो पाता और भावी जीवन में किसी भी कठिनाई और असफलता से छात्र टूट जाते हैं और कमजोर क्षणों में आत्मघात जैसे कठोर कदम भी उठा लेते हैं।उपभोक्तावाद से प्रेरित समाज की सोच मातापिता की महत्वाकांक्षा तक पहुंच कर रुक गयी है। इसी का नतीजा है कि देश भर के नामी इंजीनियरिंग और मेडीकल संस्थानों में दाखिले के बावजूद बच्चे दबाव और तनाव में रहते हैं। कोचिंग के गलाकाट प्रतिस्पर्धा भरे माहौल में सालों साल कोशिश करते रहने के परिणामस्वरुप ऐसे कई छात्रों की मानसिक स्थिति बेहद नाजुक और कमजोर हो जाती है और नामी संस्थानों में पढ़ाई का दबाव उन्हें निराशा और अवसाद में धकेल देता है। नतीजा यह कि आत्महत्या की घटनाएं निरन्तर जारी है। लेकिन हम हैं कि समस्या को अजीबोगरीब रंग देकर अगली दुर्घटना का इंतजार करने लगते हैं। इस लीलापोती के मूल में यह भय है कि असलियत सामने आते ही उसे स्वीकार करना मुश्किल होगा। और असलियत यही है कि इन आत्महत्याओं के वास्तविक जिम्मेदार महत्वाकांक्षी मातापिता और दिगभ्रमित समाज हैं। हर आत्महत्या पर किसी को बलि का बकरा बना देने से आत्महत्याएं नहीं रुकेगी। शिक्षाशास्त्रिज्यों, मनोवैज्ञानिकों और योजनाकारों को पूरी व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करना पड़ेगा तब हम आत्महत्याएं रोक पायेंगे।

(लेखक- कांतिलाल मांडोट)

कोरोना से मृत होमगार्ड के परिवार को मिलेगा योजना का लाभ

हाईकोर्ट ने 60 दिन में भुगतान के लिए निर्देश

जबलपुर, यश भारत। कोरोना महामारी के दौरान ड्यूटी करते हुए संक्रमण की चपेट में आए होमगार्ड कर्मों की मृत्यु के मामले में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने उसके परिवार के पक्ष में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने राज्य शासन को मृतक की पत्नी को मुख्यमंत्री कोविड-19 योद्धा कल्याण योजना के तहत लाभ देने के निर्देश दिए हैं। निर्धारित अवधि में भुगतान नहीं होने पर 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी देना होगा।

न्यायमूर्ति मनिंदर एस. भट्टी की एकलपीठ ने ड्यूटी, 1881/2022, अर्चना पटेल विरुद्ध मध्यप्रदेश शासन एवं अन्य में 23 सितंबर 2026 को यह आदेश पारित किया। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता रविंद्रनाथ चतुर्वेदी और पार्थ पांडे ने पैरवी की।

मंडला जिला अस्पताल में थी ड्यूटी

मामले के अनुसार याचिकाकर्ता के पति होमगार्ड के रूप में कार्यरत थे। कोरोना संक्रमण के दौरान उन्हें जिला अस्पताल, मंडला में महामारी की रोकथाम से संबंधित ड्यूटी पर तैनात किया गया था। इसी दौरान वे कोरोना संक्रमित हो गए और 18 मई 2021 को उनकी मृत्यु हो गई। जिला अस्पताल की ओर से भी उनके कोरोना रोकथाम संबंधी ड्यूटी



करने का प्रमाण-पत्र जारी किया गया था। मृत्यु के बाद पत्नी ने मुख्यमंत्री कोविड-19 योद्धा कल्याण योजना के तहत आर्थिक सहायता के लिए आवेदन किया, लेकिन शासन ने लाभ देने से इनकार कर दिया। शासन का तर्क था कि मृतक होमगार्ड मानदेय के आधार पर कार्यरत थे और योजना में निर्धारित 'एलिजिबल गवर्नमेंट सर्वेंट' की श्रेणी में नहीं आते।

योजना का उद्देश्य देखते हुए कोर्ट ने दिया लाभ

हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान पाया कि मृतक को कोरोना महामारी की रोकथाम से संबंधित ड्यूटी सौंपी गई थी और यह

तथ्य जिला अस्पताल के प्रमाण-पत्रों से भी प्रमाणित होता है। कोर्ट ने योजना के उद्देश्य पर विचार करते हुए कहा कि महामारी की रोकथाम में कर्तव्य निभाने वाले कर्मचारियों के आश्रितों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना योजना का उद्देश्य था। योजना में संविदा, दैनिक वेतनभोगी, तदर्थ और आउटसोर्स कर्मचारियों को भी शामिल किया गया था।

कोर्ट ने माना कि योजना में 'मानदेय आधारित कर्मचारी' शब्द का स्पष्ट उल्लेख नहीं होने के बावजूद, जब मृतक द्वारा कोरोना रोकथाम की ड्यूटी किए जाने का तथ्य प्रमाणित है, तो केवल

मानदेय के आधार पर परिवार को योजना के लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता।

60 दिन में देना होगा लाभ

हाईकोर्ट ने राज्य शासन और संबंधित अधिकारियों को योजना के क्लॉज 5.1 के तहत याचिकाकर्ता को लाभ 60 दिनों के भीतर प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित अवधि में भुगतान नहीं किए जाने पर देय राशि पर 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देना होगा। कोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए मामले का निराकरण कर दिया।



वाजपेयी नगर मल्टी में पुलिस आयुक्त का जनसंवाद

सुरक्षा, सत्यापन और साइबर जागरूकता पर दिया जोर

भोपाल। थाना शाहजहाँनाबाद क्षेत्र अंतर्गत शावाजपेयी नगर मल्टी में नागरिकों की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने एवं उनकी समस्याओं के निराकरण के उद्देश्य से जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त संजय कुमार ने नागरिकों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना।

जनसंवाद के दौरान स्थानीय नागरिकों ने मल्टी की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किए गए कार्रवायों का अनिवार्य पुलिस सत्यापन कराने का सुझाव दिया। रहवासियों का कहना था कि कई मकान मालिक अन्य स्थानों पर निवास करते हैं और उनके फ्लैट्स में किए गए रह रहे हैं, ऐसे में सुरक्षा के लिहाज से सत्यापन अति आवश्यक है। इसके साथ ही परिसर में होने वाली अस्वभाविक गतिविधियों पर नजर रखने के लिए प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने की मांग भी रखी गई। पुलिस आयुक्त संजय कुमार ने नागरिकों के सुझावों और शिकायतों पर तत्परता दिखाते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। कार्यक्रम के दौरान सीपी ने उपस्थित नागरिकों को यातायात नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई। साथ ही साइबर अपराधों से बचाव, सुरक्षित डिजिटल लेनदेन, ऑनलाइन ठगी से सतर्क रहने तथा साइबर सुरक्षा के महत्वपूर्ण उपायों की विस्तृत जानकारी देकर लोगों को जागरूक किया। नागरिकों से अपील करते हुए पुलिस आयुक्त ने कहा कि किसी भी प्रकार की अवैधानिक गतिविधि दिखने पर तुरंत 112 नंबर पर संपर्क करें।

उत्तराखंड नीट-यूजी फर्जीवाड़े में भोपाल से एजेंट गिरफ्तार

प्रीडम फाइटर कोटे की 45 लाख में डील, 5.58 लाख कमीशन जब्त

भोपाल, यशभारत। उत्तराखंड में नीट-यूजी प्रवेश परीक्षा के तहत स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित कोटे के जरिए मेडिकल कॉलेजों में फर्जी एडमिशन कराने वाले अंतरराज्यीय गिरोह पर पुलिस का शिकंजा कसता जा रहा है। मामले में एसआईटी ने कार्रवाई करते हुए तीसरी गिरफ्तारी भोपाल से की है। पकड़ा गया आरोपी धीरज कुमार श्रीवास्तव नेटवर्क में बतौर एजेंट काम कर रहा था। पुलिस ने उसके पास से कमीशन की रकम के रूप में 5.58 लाख रुपए नकद बरामद किए हैं। मास्टरमाइंड की निशानदेही पर शिकंजा- मामले की जांच कर रही एसआईटी और देहरादून पुलिस ने मास्टरमाइंड रूपेश पंडित को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। रूपेश से पुछताछ के दौरान मिली गुप्त जानकारी और निशानदेही के आधार पर पुलिस टीम ने भोपाल में दबिश देकर धीरज श्रीवास्तव को दबोचा। जांच में सामने आया कि रूपेश पंडित एक एजुकेशन कंसल्टेंसी चलाता था, जिसने भोपाल के एजेंट धीरज की मदद से अभ्यर्थियों



हूआ जब जांच के दौरान चार अलग-अलग छात्राओं के प्रीडम फ़ड्टर आश्रित प्रमाण पत्र संदिग्ध पाए गए। पड़ताल में पता चला कि चारों छात्राओं ने धर्मवीर वर्मा नाम के एक ही व्यक्ति को अपना प्रीडम फ़ड्टर पूर्वज दर्शाया था। जब सरकारी अभिलेखों की जांच की गई, तो रिकॉर्ड में धर्मवीर वर्मा के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी होने का कोई प्रमाण नहीं मिला। इसके बाद चारों अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्र और उनके आधार पर हुए एमबीबीएस दाखिले तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिए गए। 20-20 लाख एडवांस, 45 लाख में तय हुआ था सौदा- पुलिस जांच के अनुसार, मास्टरमाइंड और एजेंटों का यह गिरोह अभ्यर्थियों को फर्जी दस्तावेज तैयार करवाकर सरकारी कोटे का लाभ दिलाता था।

और उनके परिवारों तक पहुंच बनाई थी। एक ही प्रीडम फ़ड्टर के नाम पर बनवाए 4 फर्जी प्रमाण पत्र- इस पूरे रैकेट का पर्दाफ़ाश तब

फर्जी पासपोर्ट नेटवर्क पर एसटीएफ का शिकंजा 19 आरोपियों पर 20-20 हजार रुपए का इनाम



राज्यों में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। जांच में सामने आया है कि इस नेटवर्क में फर्जी दस्तावेज तैयार कराने से लेकर स्थानीय पते और झूठे गवाह उपलब्ध कराने तक अलग-अलग स्तर पर मदद की जाती थी।

सवा साल में 7 महंगा हुआ दूध, पर्दे के पीछे 80 प्रति लीटर का खेल

जबलपुर, यश भारत। जबलपुर में आम जनता की जब पर डका डालने का खेल बदस्तूर जारी है। जिले में सवा साल के भीतर ही दूध के दामों में 7 का भारी उछाल आ चुका है, जिससे आम उपभोक्ता बुरी तरह पिस रहा है। जुलाई 2025 में 73 प्रति लीटर बिकने वाला दूध मई में 73 बढ़कर 76 किया गया था। अब एक साल पूरा होने से पहले ही डेयरियों ने सीधे 75 की अनधिकृत वृद्धि करते हुए दूध के दाम 780 प्रति लीटर पहुंचा दिए हैं। गंभीर बात यह है कि दुग्ध उत्पादक संघ कागजों और आधिकारिक

बनानों में रेट 76 ही कोट कर रहा है, लेकिन पर्दे के पीछे से दूध 780 में बेचा जा रहा है। विरोध और जनक्रोश से बचने के लिए डेयरी संचालकों ने एक सोची-समझी चाल चली है। पूरे जिले में एक साथ दाम बढ़ाने के बजाय शुरुआत में कुछ चुनिंदा डेयरियों में रेट बढ़ाए जाते हैं। माहौल ठंडा पड़ते ही महीने-डेढ़ महीने के भीतर बाकी जगह भी नया रेट थोप दिया जाता है। बढ़ती महंगाई के दौर में डेयरियों की इस सिंडिकेटबाजी और मनमानी पर प्रशासन की खामोशी से जनता बेहद आक्रोशित है।



तेज रफ्तार कार मेकल भोजनालय में घुसी अधिवक्ता की मौत,चालक समेत कर्मचारी घायल

मेडिकल कॉलेज के मरचुरी गेट के पास तड़के हुआ हादसा



जबलपुर, यश भारत। गढ़ा थाना क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज के मरचुरी गेट के पास शुक्रवार तड़के करीब 4 बजे तेज रफ्तार स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित मेकल भोजनालय में जा घुसी। हादसे में कार में सवार धनवंतरी नगर निवासी अधिवक्ता शुभम शर्मा (32) की मौत हो गई। कार चालक शरद दुबे और भोजनालय का एक कर्मचारी घायल हो गया। हादसे में भोजनालय का सामान भी क्षतिग्रस्त हुआ है।

अचानक अनियंत्रित हुई कार

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार जसूजा सिटी निवासी शरद दुबे अपने दोस्त अधिवक्ता शुभम शर्मा के साथ स्विफ्ट कार से जा रहा था। मेडिकल कॉलेज के मरचुरी गेट के पास अचानक कार अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे बने मेकल भोजनालय में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि भोजनालय का सामान बिखर गया। हादसे के समय भोजनालय में सो रहे लोग भी कार की चपेट में आ गए। भोजनालय संचालक की मुताबिक, वह सुबह करीब 4 बजे



भोजनालय खोलने की तैयारी कर रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर भोजनालय के अंदर घुस गई। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई और घायलों को बाहर निकालकर मदद की गई।

कार में मिली शराब की बोतल, नशे की आशंका

मौके पर मौजूद लोगों ने कार सवार युवकों के शराब के नशे में होने की आशंका जताई है। घटनास्थल से शराब की बोतल मिलने के बात भी सामने आई है। हालांकि, चालक के

नशे में होने की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। पुलिस मेडिकल जांच और रिपोर्ट के आधार पर स्थिति स्पष्ट करेगी।

पुलिस ने शुरू की हादसे की जांच

घटना की सूचना मिलते ही गढ़ा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया और अधिवक्ता शुभम शर्मा के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कार की रफ्तार, चालक की स्थिति, सड़क की परिस्थितियों और हादसे के अन्य कारणों की जांच की जा रही है।



मालवीय चौक पर अवैध जैट्टी गेटों बड़ा खतरा इंदौर हादसे से भी सीख नहीं ले रहा प्रशासन

जबलपुर, यश भारत। इंदौर में गणेश उत्सव के दौरान अवैध जैट्टी गेट गिरने से एक व्यक्ति के गंभीर रूप से घायल होने की खबर शहर के सबसे व्यस्ततम मालवीय चौक और उसके आसपास के सभी प्रमुख मार्गों पर नियमों को ताक पर रखकर विशालकाय और असुरक्षित जैट्टी गेट तान दिए गए हैं। यह स्थिति तब है जब माननीय हाईकोर्ट के सख्त निर्देश हैं कि सड़कों पर अवैध जैट्टी गेट, होर्डिंग्स और फ्लेक्स पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे।

चमकाने और चेहरे चमकाने की होड़ में जनता की जान को सीधे तौर पर जोखिम में डाला जा रहा है। ये अवैध ढांचे न केवल रोजाना यातायात को बाधित कर रहे हैं, बल्कि किसी भी क्षण एक बड़े हादसे का सबब बन सकते

हैं। गणेश उत्सव के समाप्त होते ही नवरात्रि पर्व शुरू होने वाला है, जिसमें ऐसे गेटों की संख्या और बढ़ जाती है। यदि वक्त रहते इन पर बुलडोजर नहीं चला, तो इंदौर जैसी जानलेवा पुनरावृत्ति जबलपुर में भी तय है।

हाईकोर्ट के आदेशों की धज्जियां

- सियासी होड़ में जान का जोखिम: नेतागिरी चमकाने के चक्कर में बिना किसी तकनीकी स्वीकृति के लोहे-बांस के असुरक्षित गेट खड़े किए गए हैं।
- मालवीय चौक पर चमक हुआ ट्रैफिक: चौराहे के चारों मार्गों पर बने गेट चालकों की दृश्यता प्रभावित कर रहे हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी हुई है।
- नवरात्रि से पहले हो कड़ी कार्रवाई: प्रशासन इंदौर कांड से सबक लेते हुए तुरंत इन अवैध स्ट्रक्चर्स को हटायें और आयोजकों पर



इंदौरी नगर के विकास को मिली नई रफ्तार

विधायक भावना बोहरा ने 1.95 करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

■ यश भारत

पंडरिया। नगर पंचायत इंदौरी में नागरिक सुविधाओं के विस्तार और अधोसंरचना विकास को गति देते हुए पंडरिया विधायक भावना बोहरा कुल 1 करोड़ 95 लाख 94 हजार रुपये की लागत के विभिन्न विकास व अधोसंरचना निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 1 करोड़ 45 लाख 97 हजार रुपये के कार्यों का भूमिपूजन तथा 49 लाख 97 हजार रुपये के कार्यों का लोकार्पण शामिल है। इन विकास कार्यों से नगर पंचायत इंदौरी में क्षेत्रवासियों की मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ ही नगर के सौंदर्यीकरण को भी नई पहचान मिलेगी।

इस दौरान विधायक भावना बोहरा ने भारत माता चौक निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्य तथा मां कर्मा माता चौक का लोकार्पण किया। वहीं वार्ड क्रमांक 14 में मुक्तिधाम विकास कार्य, निकाय क्षेत्र में दुकानों का निर्माण, मांगलिक भवन निर्माण तथा मुक्तिधाम उन्नयन कार्य का भूमिपूजन कर समस्त नगरवासियों को इस सौगात के लिए बधाई व शुभकामनाएं दी। विदित हो कि नगर पंचायत इंदौरी में भाजपा सरकार आने के बाद से क्षेत्र में अधोसंरचना और नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों को लगातार प्राथमिकता दी जा रही है। विगत वर्षों में नगर पंचायत क्षेत्र के लिए लगभग 10 करोड़ के विकास कार्यों के साथ-साथ अधोसंरचना मद अंतर्गत 2 करोड़ की प्राविधिक स्वीकृति भी प्राप्त हुई है। इससे स्पष्ट है कि छोटे शहरों और नगर क्षेत्रों में सड़क, भवन, चौक, बाजार तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं के विस्तार पर लगातार काम किया जा रहा है।

इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा 'इंदौरी नगर के विकास और नागरिकों की आवश्यकताओं के अनुरूप मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। भारत माता चौक और मां कर्मा माता चौक जैसे कार्य से नगर की नई पहचान बनेगा। मुक्तिधाम, मांगलिक भवन और दुकानों के निर्माण से स्थानीय नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। हमारा प्रयास है कि विकास का लाभ नगर के प्रत्येक वार्ड और प्रत्येक परिवार तक पहुंचे। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सेवा और जनकल्याण केंद्रित नीतियों तथा माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में नगरीय क्षेत्रों के विकास और नागरिक सुविधाओं को प्राथमिकता दी जा रही



MP-CG में मूसलाधार बारिश का अलर्ट, सतना में स्कूल बंद; राजस्थान में 43C पार पहुंचा पारा

■ यश भारत

रायपुर। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में मौसम के अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। मध्य प्रदेश में तेज बारिश का अलर्ट जारी हुआ है। जबलपुर समेत 13 जिलों में ऑरेंज अलर्ट है। वहीं छत्तीसगढ़ में बारिश का दौर जारी रहेगा। दक्षिण छत्तीसगढ़ में भारी बारिश की संभावना है।

दूसरी ओर राजस्थान में गर्मी ने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। जैसलमेर और बाड़मेर में तापमान 43 डिग्री पार पहुंचा है। मौसम विभाग ने तीनों राज्यों के लिए अलग-अलग चेतावनी जारी की है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में बारिश का असर रहेगा। वहीं राजस्थान में गर्मी के बाद मौसम बदलने के संकेत हैं।

मध्यप्रदेश मौसम रिपोर्ट - 25 सितंबर 2026

MP Weather update: (मध्यप्रदेश का मौसम): मध्य प्रदेश में शुक्रवार को बारिश का जोर बढ़ने वाला है। मौसम विभाग ने प्रदेश के आधे हिस्से में तेज बारिश की चेतावनी जारी की है। जबलपुर समेत 13 जिलों में अति भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 16 जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है। इन इलाकों में अगले 24 घंटे में 4 इंच से ज्यादा बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक बंगाल की खाड़ी में बना सिस्टम अब मजबूत हो गया है। इसी वजह से प्रदेश में बारिश का नया दौर शुरू हुआ है। दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई के बीच यह सिस्टम सक्रिय हुआ है।

इन जिलों में ऑरेंज अलर्ट

शुक्रवार को टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, दमोह, उमरिया, जबलपुर, नरसिंहपुर, मंडला, छिंदवाड़ा, सिवनी और बालाघाट में अति भारी बारिश का अलर्ट है।

इन जिलों में तेज बारिश के साथ जलभराव की स्थिति बन सकती है। लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

16 जिलों में भारी बारिश का अनुमान

मौसम विभाग ने भिंड, दतिया, निवाड़ी, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, मेहर, कटनी, शहडोल, डिंडीरी, अनूपपुर, सागर, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल और पोंडुणा में भारी बारिश की संभावना जताई है।

इसके अलावा भोपाल, इंदौर, उज्जैन समेत कई जिलों में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश हो सकती है।

सतना में दो दिन स्कूल बंद

बारिश और अतिवृष्टि की संभावना को देखते हुए सतना जिले में स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी गई है। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने 25 और 26 सितंबर को नर्सरी से आठवीं तक के स्कूल बंद रखने के आदेश दिए हैं।



सेवा की कहानी

■ यश भारत

राजनांदगांव। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम नागतर्द निवासी किसान श्री प्रद्युमन पटेल ने बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का निरंतर लाभ मिल रहा है। श्री प्रद्युमन पटेल बताते हैं कि वे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थी किसान हैं और उन्हें अब तक

छत्तीसगढ़ सरकार ने वीआईपी, वीवीआईपी, एम्बुलेंस विमान संचालन हेतु निविदा जारी की

■ यश भारत

रायपुर। अमित चंदेल विमानन निदेशालय, छत्तीसगढ़ सरकार , ने छत्तीसगढ़ और पूरे भारत में 'जब-जब आवश्यकता हो' के आधार पर वीआईपी/ वीवीआईपी उड़ान संचालन और एयर एम्बुलेंस सेवाओं के लिए किराए पर हेलीकॉप्टर और हवाई जहाज प्रदान करने हेतु पात्र एनएसओपी धारकों और पात्र संयुक्त उद्यमों कंसोर्टिया को आरएफपी निविदा ब हेतु जारी की है।

आधिकारिक वेबसाइट cgstate.gov.in पर उपलब्ध दस्तावेज के अनुसार बोलीदाता इस निविदा में निर्दिष्ट श्रेणियों के तहत एक या अधिक पात्र विमानों की पेशकश कर सकते हैं। पैल में शामिल होना केवल उन्हीं विमानों/श्रेणियों तक सीमित होगा जिनके लिए बोलीदाता तकनीकी रूप से योग्य होगा और एक वैध वित्तीय बोली जमा करेगा।यह निविदा पैल के शामिल होने की प्रभावी तिथि से तीन वर्षों की अवधि के लिए वैध रहेगा और ऑफ़रेटर के संतोषजनक प्रदर्शन और आपसी सहमति के आधार पर इसे दो वर्षों की अतिरिक्त अवधि के लिए बढ़ाया जा सकता है।



इस पैल के तहत किए जाने वाले सभी उड़ान संचालन महानिदेशालय नागरिक विमानन , नागरिक विमानन सुरक्षा ब्यूरो , नागरिक विमानन मंत्रालय और अन्य सक्षम नियामक अधिकारियों द्वारा समय-समय पर जारी लागू नियमों, विनियमों, नागरिक विमानन आवश्यकताओं , परिपत्रों, दिशानिर्देशों और निर्देशों के अनुसार किए जाएंगे। इस निविदा से संबंधित दस्तावेज आधिकारिक वेबसाइट cgstate.gov.in पर उपलब्ध हैं। यदि बोलीदाताओं के पास प्री-बिड से जुड़े कोई प्रश्न हैं, तो उन्हें केवल ईमेल के माध्यम से dir. aviation-cg@gov.in पर दिनांक 01-10-2026 शाम 05:00 बजे या उससे

पहले जमा करना होगा। इसके बाद, 05-10-2026 को दोपहर 12:00 बजे महानदी भवन, मंत्रालय, नवा रायपुर के कमरा संख्या M1/7 में ऑनलाइन और ऑफ़लाइन दोनों माध्यमों से एक प्री-बिड बैठक आयोजित की जाएगी। बोली जमा करने की अंतिम तिथि और समय 22-10-2026 शाम 05:00 बजे तक निर्धारित है, जिसके अगले दिन यानी 23-10-2026 को सुबह 11:00 बजे बोलियाँ खोली जाएँगी। इस निविदा में भाग लेने के लिए 10,000/- का निविदा शुल्क निर्धारित वेबसाइट के माध्यम से जमा करना होगा। इसके अतिरिक्त, 2,00,000/(दो लाख रुपए मात्र) की ईएमडी (सुरक्षा जमा) डिमांड

ड्राफ्ट निदेशक, विमानन निदेशालय, छत्तीसगढ़ सरकार, महानदी भवन, नया रायपुर, छत्तीसगढ़ के नाम से जमा करनी होगी। बोलीदाता नीचे निर्दिष्ट श्रेणियों के तहत एक या अधिक हेलीकॉप्टर या हवाई जहाज की पेशकश कर सकते हैं।

1. हेलीकॉप्टर श्रेणी: VIP/VVIP ऑपरेशन्स के लिए हेलीकॉप्टर:

1. RW-1	टिवन इंजन लाइट
हेलीकॉप्टर 05	यात्रियों तक
2. RW-2	टिवन इंजन मीडियम
हेलीकॉप्टर 06	से 07 यात्री
3. RW-3	टिवन इंजन
हैवी हेलीकॉप्टर	08 यात्री और उससे अधिक

2. हवाई जहाज श्रेणी :VIP/VVIP ऑपरेशन्स के लिए हवाई जहाज:

1	FW-1	टिवन इंजन
टबॉप्रॉप	07-09	यात्री
2	FW-2	बिजनेस जेट
07 से 12	यात्री	
3	FW-3	लार्ज बिजनेस जेट
13 यात्री और उससे अधिक		

43 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया, जो सितंबर महीने में पिछले 15 साल का सबसे ज्यादा तापमान है।

गुरुवार को बाड़मेर में अधिकतम तापमान 43.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं जैसलमेर में पारा 43.2 डिग्री तक पहुंच गया। इसके अलावा जोधपुर, चूरू और बीकानेर में भी तापमान 40 डिग्री से ऊपर रहा।

जोधपुर में 10 साल बाद इतनी गर्मी

जोधपुर में गुरुवार को पिछले 10 साल की सबसे ज्यादा गर्मी दर्ज की गई। यहां अधिकतम तापमान 41.7 डिग्री सेल्सियस रहा। इससे पहले साल 2016 में यहां तापमान 40.6 डिग्री तक पहुंचा था।

वहीं बाड़मेर में पिछले 11 साल में सितंबर महीने में तापमान कभी 43 डिग्री तक नहीं पहुंचा था। इस बार गर्मी के साथ पश्चिमी राजस्थान के कई जिलों में दिन के समय गर्म हवाएं भी चलती।

अगले कुछ दिन गर्मी से राहत नहीं

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार राजस्थान में अगले दो से तीन दिन तक गर्मी का असर इसी तरह बना रह सकता है। हालांकि अगले सप्ताह पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में आंधी और बारिश की संभावना है।

अचानक क्यों बढ़ी गर्मी?

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि मानसून की विदाई के बाद हवाओं की दिशा बदल जाती है। इस दौरान एंटी साइक्लोन सिस्टम बनने लगता है।

इस सिस्टम की वजह से पश्चिम दिशा से आने वाली गर्म हवाएं राजस्थान और आसपास के इलाकों में घूमती रहती हैं। इसी कारण तापमान अचानक बढ़ गया है।

इन शहरों में भी बढ़ा तापमान

बीकानेर में अधिकतम तापमान 41.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं चूरू में 40.5, नागौर में 40.3, फतेहपुर में 39.5, पिलानी में 39.2 और जालौर में 39.4 डिग्री तापमान रहा।

इन इलाकों में दिन के साथ रात में भी गर्मी का असर बना हुआ है। लोगों को उमस और गर्म हवाओं से परेशानी हो रही है।

27 सितंबर से बदल सकता है मौसम

मौसम विभाग के अनुसार 27 सितंबर से राजस्थान के मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम के असर से पूर्वी राजस्थान के कई जिलों में आंधी और बारिश की संभावना है।

27 सितंबर को सीकर, झुझुनू, जयपुर, अलवर, दौसा, भरतपुर, धौलपुर, करौली और सर्वाई माधोपुर में बारिश हो सकती है।

वहीं 28 सितंबर को अलवर, दौसा, भरतपुर, धौलपुर, करौली और सर्वाई माधोपुर में मौसम बदलने का अनुमान है।

पीएम किसान सम्मान निधि से खेती की जरूरतें पूरी कर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़े प्रद्युमन पटेल

योजना की 23वीं किस्त प्राप्त हो चुकी है। योजना के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता उनके लिए खेती-किसानी के कार्यों में उपयोगी साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि योजना से प्राप्त राशि का उपयोग वे खेती के लिए आवश्यक बीज, खाद, कृषि उपकरण एवं कीटनाशक खरीदने में करते हैं। इससे खेती के मौसम में जरूरी कृषि सामग्री की व्यवस्था करने में उन्हें आर्थिक सहयोग मिलता है और खेती के काम को समय पर पूरा करने में सुविधा होती है। श्री पटेल

कहते हैं कि किसान के लिए समय पर मिलने वाली छोटी-सी आर्थिक सहायता भी खेती के काम में बड़ी मददगार साबित होती है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखकर संचालित की जा रही एक सराहनीय पहल है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी योजनाओं से किसानों को खेती के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने में सहयोग मिलता है।

3. एयर एम्बुलेंस श्रेणी

DoA, GoCG आपातकालीन चिकित्सा निकासी, अंग परिवहन, आपदा प्रतिक्रिया, रोगी स्थानांतरण, या छत्तीसगढ़ सरकार की किसी अन्य आवश्यकता के लिए 'जब-जब आवश्यकता हो' के आधार पर एयर एम्बुलेंस सेवाओं की मांग कर सकता है।

एयर एम्बुलेंस सेवाओं के लिए हवाई जहाज:

1	AA-1	टिवन इंजन
टबॉप्रॉप	02-05	यात्री + 01 स्ट्रेचर
2	AA-2	टिवन इंजन
टबॉजेट	02-05	यात्री या अधिक + 01

बोलीदाताओं द्वारा नर्देशित सभी कानूनी स्थिति ,NSOP अनुपालन,वित्तीय टर्न ओवर , या यल ट , ब्लैक लि स्ट घोषणा,उड़ान सुरक्षा ,एयर एम्बुलेंस स्वी कू ति / प्रा धि क र ण या त्र ता आवश्यकताओं और मानदंड को पूरा करना होगा।निविदा से संबंधित दस्तावेज राज्य सरकार की आधिकारिक वेबसाइट में उपलब्ध है जिसमें निविदा संबंधित निर्देश, शर्त, मानदंड की विस्तृत जानकारी है।

दो मिनट में भारत को दो पदक, इन 5 शूटरों ने किया कमाल



नागोया, एजेंसी। एशियन गेम्स-2026 में शुक्रवार को भारत ने महज दो मिनट में दो पदक जीते। पहले 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन टीम स्पर्धा में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, रुद्राक्ष पाटिल और नीरज कुमार ने रजत पदक जीता। इसके तुरंत बाद सुरुचि सिंह और कमलजीत की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। शूटिंग में भारत के अब तक 10 पदक हो चुके हैं।

कमलजीत

हरियाणा के रेवाड़ी के रहने वाले कमलजीत ने चोट के कारण एथलेटिक्स छोड़ने के बाद 2019 में शूटिंग शुरू की। आर्थिक परेशानियों के बावजूद उन्होंने अपना सफर जारी रखा। 2023 में जूनियर विश्व चैंपियनशिप में 50 मीटर पिस्टल में स्वर्ण जीतकर पहचान बनाई।



सुरुचि सिंह

हरियाणा के झज्जर की सुरुचि ने 13 साल की उम्र में शूटिंग शुरू की। 2025 में उन्होंने तीन आईएसएसएफ विश्व कप में लगातार व्यक्तिगत स्वर्ण जीते। 2026 में भी उन्होंने विश्व कप स्वर्ण और एशियन चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।

नीरज कुमार

50 मीटर राइफल 3 पोजीशन के विशेषज्ञ नीरज ने 2022 विश्व चैंपियनशिप में टीम कांस्य जीता। 2026 एशियन चैंपियनशिप में उन्होंने व्यक्तिगत रजत पदक हासिल किया और टीम स्वर्ण में भी योगदान दिया।

रुद्राक्ष पाटिल

महाराष्ट्र के रुद्राक्ष 10 मीटर एयर राइफल के विशेषज्ञ हैं। 2022 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतकर वह अभिनव बिंद्रा के बाद इस स्पर्धा में व्यक्तिगत विश्व खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय बने। इसी प्रदर्शन के बाद उन्हें विश्व नंबर-1 रैंकिंग भी मिली।

ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर

मध्य प्रदेश के खरगोन जिले के ऐश्वर्य ने अपने चचेरे भाई और ओलंपियन नवदीप सिंह राठौर को देखकर शूटिंग शुरू की। 2019 में जूनियर विश्व कप में स्वर्ण के साथ जूनियर विश्व रिकॉर्ड बनाया।

एशियन गेम्स- भारतीय विमेंस हॉकी टीम सेमीफाइनल में जापान को 3-1 से हराया, टीम की लगातार चौथी जीत

नागोया, एजेंसी। भारतीय विमेंस हॉकी टीम ने एशियन गेम्स में जापान को 3-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। नागोया के गिफू प्रिफेक्चुरल ग्रीन स्टेडियम में खेले गए पूल-बी के मुकाबले में भारत ने लगातार चौथी जीत दर्ज की। टीम 12 पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर है। लालरेमसियामी ह्माजोंटे, इशिका चौधरी और नवनीत कौर ने भारत के लिए गोल किए, जबकि जापान की ओर से शिहो कोबायाकावा ने एक गोल किया।

लालरेमसियामी ने दिलाई बढ़त– भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। पहले क्वार्टर में नवनीत कौर ने गोल की कोशिश की, लेकिन जापानी गोलकीपर यू कुडो ने उनके शॉट को रोक दिया। गोलकीपर के रोकने के बाद गेंद वापस मैदान में आई। इसी गेंद पर लालरेमसियामी ने सबसे पहले पहुंचकर उसे गोलपोस्ट में डाल दिया और भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। जापान ने पहले क्वार्टर में बराबरी की कोशिश की। उसे पेनल्टी कॉर्नर भी मिला, लेकिन भारतीय कप्तान और गोलकीपर सविता पुनिया ने माहो उठाने के प्रयास को रोक दिया।



इशिका के गोल से भारत 2-0 आगे, नवनीत ने बढ़त 3-0 की– भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। पहले क्वार्टर में नवनीत कौर ने गोल की कोशिश की, लेकिन जापानी गोलकीपर यू कुडो ने

उनके शॉट को रोक दिया। गोलकीपर के रोकने के बाद गेंद वापस मैदान में आई। इसी गेंद पर लालरेमसियामी ने सबसे पहले पहुंचकर उसे गोलपोस्ट में डाल दिया और भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। जापान ने पहले

मुंबई इंडियंस के नये मुख्य कोच बने ल्यूक विलियम्स

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 2027 सत्र के लिए ल्यूक विलियम्स को नया मुख्य कोच बनाया है। विलियम्स पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर लिसा केइटली की जगह कोच बनाये गये हैं। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने अब तक महिला लीग के चार में से दो सत्र जीते हैं, जिससे यह फेंचाइजी लीग की सबसे सफल टीमों में से एक बनी हुई है। अब उसे नये कोच से इस सिलसिले को आगे बढ़ाते रहने की उम्मीद है। मुंबई इंडियंस ने आधिकारिक तौर पर विलियम्स को सत्र से पहले टीम का नया मुख्य कोच घोषित किया। फेंचाइजी ने अपने बयान में बताया, मुंबई इंडियंस ने घोषणा की है कि लिसा ने टीम के हेड कोच पद से हटने का फैसला किया है। उनकी जगह 2027 महिला प्रीमियर लीग सीजन से पहले ल्यूक विलियम्स को नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर लिसा केइटली ने फेंचाइजी के साथ अपने कार्यकाल को समाप्त करने का निर्णय लिया। मुंबई इंडियंस ने उनके योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और भविष्य के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं। वहीं मुंबई इंडियंस की सह-मालकिन नीता एम अंबानी ने ल्यूक विलियम्स का मुंबई इंडियंस परिवार में स्वागत करते हुए अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, हम ल्यूक विलियम्स का मुंबई इंडियंस परिवार में स्वागत करते हुए बेहद खुश हैं। ल्यूक ने



खुद को एक सफल कोच साबित किया है और उनके पास काफी अनुभव, महिला क्रिकेट की गहरी समझ और खिलाड़ियों के विकास के लिए मजबूत प्रतिबद्धता है। अंबानी ने विलियम्स के मार्गदर्शन और हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम के भविष्य पर भरोसा जताया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विलियम्स के मार्गदर्शन और हरमनप्रीत की कप्तानी में टीम अपनी गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाएगी, बड़ी उपलब्धियां हासिल करेगी और युवा लड़कियों को प्रेरित करती रहेगी।

वहीं नए मुख् कोच ल्यूक विलियम्स ने मुंबई इंडियंस जैसी प्रतिष्ठित फेंचाइजी से जुड़ने पर उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैं मुंबई इंडियंस जैसी प्रतिष्ठित और सफल संस्था से जुड़कर और खिलाड़ियों तथा सपोर्ट स्टाफ के इस प्रतिभाशाली समूह के साथ काम करके बेहद उत्साहित हूं।

रं

संसार

परिणीति ने महिलाओं की बॉडी-शेमिंग करने वाले ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब

छठी मैया गाने में मेकर्स ने हर चीज का रखा ध्यान: तमन्ना भाटिया

अर्वाइस की मेजबानी करना सम्मान की बात: पंकज त्रिपाठी

हाल ही में अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने महिलाओं की बॉडी-शेमिंग करने वाले ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया है। पोस्टपार्टम के दौरान महिलाओं के शरीर में होने वाले बदलावों को लेकर होने वाली चर्चा को अभिनेत्री ने अजीब बताया और सवाल उठाया कि उन्हें इसका सामना क्यों करना पड़ता है। परिणीति ने कहा, मैं इस पर ध्यान नहीं देती क्योंकि मैं इसे देखती ही नहीं हूँ। सच कहूँ तो मुझे इसके बारे में पता भी नहीं चलता, क्योंकि मैं सोशल मीडिया पर ज्यादा समय बिताती ही नहीं हूँ और अगर कभी पता चल भी जाए तो इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने अपनी जिंदगी के प्रति अपनी सच्चाई पर जोर देते हुए कहा, मैं अपनी लाइफ को लेकर बहुत सच्ची हूँ, मैं अपने समय, परिवार, दोस्तों और अपनी खुद की जिंदगी को लेकर सच्ची हूँ। अभिनेत्री ने बताया कि वे सोशल मीडिया ट्रोलर्स से परेशान नहीं होती हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, मैं उन अनजान लोगों की बातों से परेशान नहीं होने वाली जो मेरे बारे में बात करते हैं। इसका मुझसे कोई लेना-देना नहीं है और मेरे पास इसके लिए समय भी नहीं है। पोस्टपार्टम में वजन बढ़ने को लेकर कैटरिना कैफ की ट्रोलिंग पर परिणीति ने इस तरह की टिप्पणियों को अनपढ़े वाली बताया। उन्होंने आश्चर्य जताते हुए कहा, 2026 में भी महिलाओं को बॉडी शेम किया जाता है तो मुझे ये बहुत ही अनपढ़ता वाली और अजीब बात लगती है कि खासकर उन महिलाओं के बारे में बात की जाती है जो अभी मां बनी हैं। मैं समझ नहीं पाती कि ऐसा क्यों होता है।

छठी मैया गाने में मेकर्स ने हर चीज का रखा ध्यान: तमन्ना भाटिया

मुंबई (यशभारत)। अपनी आगामी फिल्म द वन - फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट में अभिनेत्री तमन्ना भाटिया नजर आने वाली हैं। बीते दिनों रीलजि हुआ इस फिल्म का छठ पूजा स्पेशल गाना छठी मैया (बोले तो छठी मइया सुनीं लीं चिनती हमार) दर्शकों के बीच खूब सराहा जा रहा है। तमन्ना भाटिया इस गाने में पारंपरिक लुक में नजर आ रही हैं और उन्हें मिल रहे अपार प्रेम से वे बेहद खुश हैं। अभिनेत्री ने बताया कि इस फिल्म के जरिए हिंदी सिनेमा में पहली बार इस त्योहार को इतने सम्मान और सच्चाई के साथ मनाया जा रहा है। तमन्ना ने फिल्म के मेकर्स की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने हर छोटी-बड़ी बात का ध्यान रखा है और इस त्योहार को पूरी सच्चाई व संवेदनशीलता के साथ दिखाया है। ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान अभिनेत्री ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, हिंदी सिनेमा में पहली बार छठ पूजा को इस तरह से पेश किया जा रहा है। सच कहूँ तो दीपक और अरुणाभ सर इसे बहुत अच्छे से समझते हैं, क्योंकि उनके मन में इसके लिए बहुत सम्मान है। शूटिंग के दौरान

उन्होंने हर चीज का ध्यान रखा और इसे बहुत ही खूबसूरती और सम्मान के साथ शूट किया गया। तमन्ना भाटिया ने छठ के महत्व पर जोर देते हुए बताया कि उनके लिए भी यह त्योहार बहुत मायने रखता है। उन्होंने यह भी कहा कि गाने में इसके सार और भावनाओं को कितनी खूबसूरती से दिखाया गया है। अभिनेत्री ने आगे कहा, छठ पूजा आभार का प्रतीक है। हमारे पास जो कुछ भी है, यह त्योहार उसके प्रति शुक्रगुजार होने का त्योहार है। तमन्ना ने इस गाने का हिस्सा बनाने के लिए मेकर्स का शुक्रिया अदा करते हुए कहा, तो, मुझे इसका हिस्सा बनाने के लिए

आपका शुक्रिया। अभिनेत्री ने बताया कि छठी मइया का यह गाना हर किसी का ध्यान खींच रहा है और सोशल मीडिया पर इसे सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं।

उन्होंने फिल्म की अवधारणा पर भी बात की, यह फिल्म हम सभी के लिए बहुत खास है। हमारे देश में बहुत सारी लोक कहानियां हैं और उन्हें बड़े पर्दे पर लाने के लिए बहुत हिम्मत, स्पष्टता और विजन की जरूरत होती है। फिल्म द वन - फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट में सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया पहली बार एक साथ काम कर रहे हैं। इनके अलावा, फिल्म में मनीषा पॉल, श्वेता तिवारी, सुनील शोभर और अनूप सोनी भी अहम भूमिकाओं में हैं।

महज कुछ छोटे क्लिप्स देखकर कोई राय न बनाएं: जेबा

हाल ही में बिग बॉस-20 के कंटेस्टेंट आसिफ खान की पत्नी जेबा ने उनके और शो की साथी कंटेस्टेंट लव गिल की बढ़ती कथित नजदीकियों को लेकर चुप्पी तोड़ी है। सोशल मीडिया पर जेबा ने लोगों से अपील की है कि वे महज कुछ छोटे क्लिप्स देखकर कोई राय न बनाएं, बल्कि 24 घंटे की लाइव फीड देखकर ही किसी नतीजे पर पहुंचें। दरअसल, बिग बॉस के घर के अंदर से आसिफ और लव के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए थे, जिसके बाद कुछ लोगों ने उनकी दोस्ती पर सवाल उठाए और कयास लगाए कि इससे आसिफ की शादी पर असर पड़ सकता है। इन अटकलों और ट्रोलिंग से आहत जेबा ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा नोट साझा किया, जिसमें उन्होंने लोगों को गलत धारणाएं बनाने से परहेज करने की बात कही और स्थिति स्पष्ट की। जेबा ने अपने नोट में लिखा, आसिफ की पत्नी होने के नाते मैं ये बात साफ करना चाहती हूँ कि जो लोग मेरे पति के बारे में अलग-अलग कहानियां बना रहे हैं। मैं खासतौर पर शो के कुछ खास पलों और हमारी शादी पर उठ रहे सवालों की बात कर रही हूँ। उन्होंने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे छोटे-छोटे क्लिप्स पर भरोसा करने पर अपनी नाराजगी जाहिर की और कहा, प्लीज सोशल मीडिया पर चल रहे कुछ क्लिप्स को देखकर जज मत कीजिए, 24गुणा7 लाइव फीड देखिए।

बढ़ते प्रभाव को भी स्वीकार करते हैं। उन्होंने कहा, डिजिटल दुनिया ने कहानियां बनाने, खोजे जाने और पसंद किए जाने के तहके को बदल दिया है और आईआईएफएफ का इस नई पीढ़ी को पहचान देना बहुत मायने रखता है। इतने सारे प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रिएटर्स के साथ इस जर्जन का हिस्सा बनना उनके लिए गौरव की बात है। पंकज त्रिपाठी का मानना है कि आईआईएफएफ ने हमेशा ही भारतीय सिनेमा को विश्व मंच पर प्रस्तुत किया है। उन्होंने अपनी बात दोहराते हुए कहा, आईआईएफएफ हमेशा से भारतीय सिनेमा को दुनिया भर के दर्शकों तक लेकर गया है और मैं भी जोश, गर्मजोशी और थोड़े से ह्यूमर के साथ आईआईएफएफ डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 के मंच पर आने के लिए उत्सुक हूँ। वे स्ट्रेज के दूसरी तरफ से आईआईएफएफ के जादू को महसूस करने का इंतजार नहीं कर सकते और उम्मीद करते हैं कि वे अपनी जिम्मेदारी के साथ न्याय कर पाएंगे। इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी अवॉर्ड्स (आईआईएफएफ) के आगामी संस्करण में डिजिटल और मुख्य अवॉर्ड सेरेमनी के लिए दो जोड़े होस्ट होंगे। पंकज त्रिपाठी और अली फजल आईआईएफएफ डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 की मेजबानी करेंगे, जबकि करण जोहर और वरुण धवन आईआईएफएफ अवॉर्ड्स 2027 को होस्ट करेंगे।

